प्रेम विस्तार है, स्वार्थ संकुचन है। इसलिए प्रेम जीवन का सिद्धांत है। वह जो प्रेम करता है जीता है, वह जो स्वार्थी है मर रहा है। इसलिए प्रेम के लिए प्रेम करो, योंकि जीने का यही एक मात्र सिद्धांत है, वैसे ही जैसे कि तुम जीने के लिए सांस लेते हो।

स्वामी विवेकानंद

MPHIN/2009/34626
डाक पंजीयन क्रमांक
बालाघाट /दैनिक यशोन्नति / 2 /
2016-17

यशोन्नति

दैनिक यशोन्नति की और खबरों एवं ई पेपर के लिये लाँग इन करें https://dainikyashonnati.com एप डाउनलोड करें

वर्ष 8+15 अंक 66 | प्रधान संपादक- राजेश अग्रवाल | yasonati@gmail.com | सिवनी सोमवार 03 जुलाई 2023 | संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी | मूल्य 1.50 पृष्ठ-4

पृष्ठ-2 सिवनी समाचार ..... पृष्ठ-3 बालाघाट समाचार पृष्ठ-4 मंडला समाचार .....

नशाखोरी, जुंआ - सट्टा के अनैतिक कारोबारियों के जाल में फंसकर युवा हो रहे बर्बाद

सिवनी यशोः- जिले मे जिस तेजी से अनैतिक व्यापार बढ रहा है, वह जिले की शांति व्यवस्था के लिये उचित नही है, आने वाला समय बेहद असुरक्षा के साथ ही कष्टकारी होने के संकेत दे रहा है, जिले मे पुलिस की चाकचौबंध व्यवस्था के बावजूद नशाखोरी, अशिष्टता, सट्टाबाजी, जुंआखोरी, सहित अन्य प्रकार के अनैतिक कारोबार ने जिले की युवा पीढी के लिये अभिशाप साबित हो रहे हैं, यह कहने मे भी कोई संकोच नही होता है कि, वर्तमान समय के अनुरूप पुलिस व्यवस्था तकनीकी रूप से भी कमजोर है, सीमित संसाधनो और व्यवस्थाओ के आधार पर संभव है, पुलिस ऐसे अनैतिक कारोबारियों पर नकेल कसने का काम करती हो, परंतु जिस तरह से जिले मे अनैतिक कारोबारी सक्रिय हैं, वह पुलिस विभाग की असक्षमता का प्रदर्शन ही कर रहा है।

यहां बतादें कि, जिले के युवाओं मे अपनी पारिवारिक, आर्थिक क्षमताओ से अधिक ग्लैमर दिखाने की बढती प्रवृत्ति ने भी कठिनाईयां पैदा की हैं, वहीं अनैतिक रूप से धन कमाने की चाहत रखने वाले व्यक्तियों ने युवाओं को अपने व्यवसायिक जाल मे फंसाकर उन्हें आकर्षित कर रहे हैं, क्रिकेट का सट्टा, जुंआ, शराबखोरी, और बहुत बडी जानकारी यदि सत्य है तो जिले मे सूखे नशे का व्यवसाय भी तेजी से फलफूल रहा है, और इस प्रकार की अनैतिक गतिवधियों मे फंसने वाले युवाओं ने अपने परिवार को आर्थिक संकट मे डालने का महापाप करने की ओर प्रवृत्त हो जाते हैं। इस प्रकार के कृत्यो मे फंसकर जब युवाओं का काम जेब खर्च से नही चलता, तो वे कर्ज लेने का काम करते हैं, और जो व्यक्ति ऐसे अनैतिक कृत्यो मे शामिल कराने मे सहायक होते हैं, वे भी फंसे हुए व्यक्ति का दोहन ही करते हैं, और जब युवा एकदम आदतन हो जाते हैं, तो वे कर्ज सहित आपराधिक गतिविधियो मे भी शामिल होने से नही हिचकिचाते, युवाओं मे बढ रही नशाखोरी और जुंऐ सट्टे का आकर्षण उनके जीवन को तबाह करने वाला सिद्ध होता है, इसके साथ ही वह अपने परिवार के लिये बडी मुसीबत का कारण बन जाते हैं।

अनेक परिवारों मे ऐसे युवाओं ने तबाही का तूफान खडा कर दिया है, परिवारों की जमापूंजी तबाह हो गई, और अनेक परिवार के युवाओं ने कर्ज के बोझ मे दबकर आत्मघाती कदम भी उठा लिये है, पिछले कुछ वर्षो मे ही ऐसे आत्मघाती कदम उठाने वाले युवाओं की संख्या सैंकडो मे पहुंच चुकी है, भले ही यह सरकारी रिकार्डो मे ना हो, परंतु यह हकीकत से कहीं दूर नही है। और ऐसे व्यापार करने वाले कुछ व्यक्ति ही आसामी हुए होंगे, परंतु हजारों परिवार ऐसे अनैतिक व्यापार करने वालो के कारण तबाह हो चुके हैं, अनेक युवाओं ने जहां परिवारो को आर्थिक रूप से बर्बाद किया है, और आत्मघाती कदम उठाये है, वहीं उनके अनेक परिजनो ने संकट आने पर अपने प्राण त्याग दिये हैं, जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन को जिले मे बढ रही अनैतिक गतिविधियों पर मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए कठोर कार्यवाही सुनिश्चित करना चाहिये, अन्यथा युवा पीढी की बर्बादी के साथ आपराधिक गतिविधियों का सरगना बढते जायेगा।

इस प्रकार की अनैतिक गतिविधियों के संचालन से ब्याज माफियाओं ने भी इस आपदा को अपना अवसर बना लिया है, और मुसीबत मे फंसे युवाओ और उनके परिवारों को कर्ज देकर मोटा ब्याज बसूल कर रहे हैं, ऐसे ब्याज माफियाओं पर भी कठोरतम कार्यवाही सुनिश्चित की जाना चाहिये।

बालरूप हनुमान मंदिर में आज से पूरे सावन माह में धार्मिक आयोजन

सिवनी यशोः- नगर के प्रतिष्ठित बाल रूप हनुमान मंदिर में सोमवार 3 जुलाई को गुरु पूजन के साथ ही 4 जुलाई मंगलवार से विधिवत सावन उत्सव प्रारंभ हो जाएगा । मंदिर समिति द्वारा परंपरा अनुसार होने वाले इन कार्यक्रमों को भव्य एवं दिव्य रूप से मनाने के लिए संपूर्ण तैयारियां पूरी कर ली गई है।

आज गुरूपूर्णिमा पर गुरूदेव का पादुका पूजन

मंदिर समिति द्वारा बताया गया है कि सोमवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर मंदिर समिति के सदस्यों द्वारा प्रातः 6 बजे अभिषेक किया जायेगा तत्पश्चात गर्भगृह मे विराजमान भगवान श्री गणेशजी , बालरूप श्री हनुमानजी, श्री कालभैरव जी, शिवलिंग के रूप में विराजमान भगवान भोलेनाथ, एवं पंचमुखी हनुमान जी का चोला श्रंगार व आरती होगी। जबकि, परंपरा अनुसार गुरुदेव जी का पादुका पूजन कार्यक्रम रात्रि 8 बजे रखा गया है। जो मातृधाम के पुजारी धर्मवीर अजीत तिवारी द्वारा संपन्न कराया जाएगा ।

पूरे माह होगा रूद्राभिषेक एवं सुंदरकांड का पाठ

समिति द्वारा जानकारी दी गई है कि सावन उत्सव का प्रारंभ मंगलवार को प्रातः 5:30 बजे मंदिर के गर्भ गृह में शिव अभिषेक के साथ ही बालरूप हनुमानजी एवं पंचमुखी हनुमानजी के अभिषेक के साथ प्रारंभ हो जाएगा, जो पूरे सावन माह चलेगा। चूंकि इस वर्ष सावन माह दो माह का है अतः सभी आयोजन उक्तानुसार दो माह तक चलेंगे। इसी क्रम में संपूर्ण सावन माह में होने वाला बालरूप हनुमान मंदिर का प्रमुख कार्यक्रम सुंदरकांड का पाठ नित्य रात्रि 7:45 बजे से प्रारंभ होगा।

उल्लेखनीय है कि बालरुप हनुमान मंदिर में पिछले 24 से अधिक वर्षों से निरंतर संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाता है जो ना सिर्फ नगर और सिवनी जिले बल्कि आसपास के जिले के लोगों के लिए भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहता है।

मंदिर समिति द्वारा बताया गया है कि उक्त दोनों ही कार्यक्रम मंदिर के वरिष्ठ आचार्यो द्वारा विधिवत संपन्न कराए जाएंगे। प्रातः कालीन अभिषेक एवं सुंदरकांड पाठ मे शामिल होने वाले भक्तों को समस्त पूजन सामग्री मंदिर समिति द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी इस हेतु अभिषेक एवं सुंदरकांड के पाठ के लिए 501 का दान पत्र मंदिर समिति द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है। जो भी भक्त यजमान के रूप में इन कार्यक्रमों में शामिल होना चाहते हों वे मंदिर परिसर में स्थित काउंटर पर संपर्क कर सकते हैं ।

मंदिर समिति द्वारा बताया गया कि, प्रतिदिन सुंदरकांड पाठ संपन्न होने के बाद वितरित किए जाने वाला विशेष महाप्रसाद यदि कोई भी भक्त या श्रद्धालु अपनी ओर से अर्पित और वितरत करवाना चाहता है तो वह मंदिर के दान काउंटर में संपर्क कर सकता है।

मंदिर समिति द्वारा दोनों ही कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने एवं धर्म लाभ लेने का आग्रह सभी भक्तों, श्रद्धालुओं एवं गुरु परिवार के सदस्यों से किया गया है।

माचिस से भरे ट्रक में लगी आग सजगता से आग पर पाया काबू

छपारा यशोः- राष्ट्रीय राजमार्ग 44 के बंजारी घाटी के पास एक माचिस से भरे ट्रक में अचानक आग लग गई आग लगने के कारणों का पता फिलहाल नहीं चल पाया बताया जाता है कि ट्रक तमिलनाडु से माचिस भरकर झांसी की ओर जा रहा था. तभी रविवार को दोपहर 2:00 बजे करीब उसमें अचानक माचिस के डिब्बों में आग लग गई जिसे ड्राइवर ने देख लिया और ट्रक को खड़ा कर दिया जिसके बाद स्थानीय लोगों की मदद और ड्राइवर की सजगता से आग पर काबू पा लिया गया घटना की सूचना मिलते ही मौके पर थाना प्रभारी सौरभ पटेल भी पहुंचे जहां उनके द्वारा दो दमकल वाहन बुलाए गए एक लखनादौन छपारा से भी दमकल वाहन मौके पर बुलाया गया हालांकि आग को पहले ही काबू कर लिया गया था. गौरतलब है कि इस आगजनी की घटना को समय रहते काबू कर लिया गया नहीं तो बड़ी आगजनी की घटना हो सकती थी. फिलहाल पुलिस इस घटना की जांच में जुटी है

बिजली के करंट लगने से व्यक्ति की मौत,खेतके काम करते समय हुआ हादसा,धुटेरा ग्राम की घटना,कुरई पुलिस जांच में जुटी

सिवनी यशोः- सिवनी जिले की कुरई थाना क्षेत्र अंतर्गत धुटेरा ग्राम में खेत पर काम करते हुए एक व्यक्ति को करंट लग गया। जिससे उसकी मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार धुटेरा ग्राम में व्यक्ति खेत पर काम कर रहा था जहां फैले बिजली के तार की चपेट में आ गया। जिसे उपचार के लिए अस्पताल लाया गया। लेकिन डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी लोगों ने कुरई पुलिस को दी। जहां पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव का पंचनामा बनाते हुए शव पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भेजा। वही पुलिस द्वारा लोगों से पूछताछ की जा रही है। और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आखिर व्यक्ति को करेंट कैसे लगा। जिससे उसकी मौत हो गई।

जबरन नॉलेज

मौत का सौदागर
लक्ष्मीपति हैं काका हा हा हा

श्री सिद्ध पीठ माता राज राजेश्वरी मंदिर दुर्गा चौक में मनाई जाएगी गुरु पूर्णिमा

सिवनी यशोः- दिनांक 03 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के पावन शुभ अवसर पर प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी श्री सिद्ध पीठ माता राज राजेश्वरी मंदिर दुर्गा चौक प्रांगण में गुरु पूर्णिमा का कार्यक्रम शाम 6:00 बजे रखा गया है जिस पर मंदिर के गर्भग्रह पुजारी श्री दुबे जी द्वारा बताया गया प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी ब्रह्मलीन पूज्यपाद धर्म सम्राट जगतगुरु शंकराचार्य द्वारका शारदा एवं ज्योतिष पीठाधीश्वर स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज श्री की छाया प्रति रख पादुका पूजन का किया जावेगा।

सिद्धपीठ श्री माता राजराजेश्वरी धर्मार्थ ट्रस्ट शिवनी द्वारा बताया गया कि माता राज राजेश्वरी मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा गुरुदेव के कर कमलों से संपन्न हुई उसके पूर्व से ही यहां पर पूज्य श्री कि प्रतिवर्ष गुरु पूर्णिमा के दिन पादुका पूजन का कार्यक्रम रखा जाता है एवं अन्य भजन कीर्तन के कार्यक्रम भी रखे जाते हैं।

आवश्यक बैठक गुरु परिवार द्वारा इसी क्रम में सनातन धर्म के गौरव स्वतंत्रता संग्राम सेनानी द्विपीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य भगवान की कलकत्ता में स्थापित प्रतिमा के तर्ज पर सिवनी* के किसी प्रमुख देंवस्थान पर भव्य प्रतिमा स्थापना हेतु अतिआवश्यक बैठक आयोजित की गई जिसमें आप सभी गुरुभक्तों की उपस्थिति प्रार्थनीय है

अतः आप सभी सनातन धर्मावलंबीयों एवं गुरु परिवार व मंदिर से जुड़े हुए व्यापारी बंधु से आग्रह समय पूर्व पहुंचकर पूजन में सम्मिलित होकर धर्म लाभ अर्जित करें।

मातृधाम में गुरुपूर्णिमा के अवसर पर गुरु पूजन

प्रातः 11 बजे

सिवनी यशोः- आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा 3 जुलाई 2023 सोमवार को गुरुपूर्णिमा के अवसर पर परमाराध्य सनातन धर्म के उन्नायक धर्मसम्राट् अनंतश्री विभूषित ज्योतिष् एवं द्वारकपीठाधीश्वर द्वारका-शारदापीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज के श्रीचरण पादुकाओं का पूजन गुरुसपर्या पद्धति अनुसार मातृधाम में किया जावेगा । इस अवसर पर श्री गुरुदेव भगवान का पूजन, अर्चन एवं पावन स्मरण किया जावेगा। सभी गुरुभक्तों सनातनधर्मियो से गुरुपूर्णिमा के अवसर पर प्रातः 11 बजे श्रीमाता ललितेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर मातृधाम पहुंचकर गुरु पूजन में सम्मिलित हो पुण्य लाभ अर्जित करें।

नियम विरूद्ध हरवेन्द्र बघेल को किया जा रहा उपकृत

सिवनी यशोः- सिवनी दक्षिण वन मंडल में पदस्थ उप वनपरिक्षेत्र अधिकारी हरवेन्द्र बघेल पर विभागीय अधिकारी जिस तरह से मेहरबान है वह शासन के नियमों के विपरीत बतायी जा रही है । सिवनी दक्षिण वन मंडल के कर्मचारी हरवेन्द्र बघेल के साथ विभागीय अधिकारियों की उदारता देखकर अनेक तरह की चर्चाएँ सार्वजनिक तौर पर करते हुये आसानी से मिल जायेगे । बताया जाता है कि इन्हें नियमानुसार वरिष्ठता (सीनयारटी) का लाभ भी नहीं दिया जाना चाहिये था परंतु विभाग में पदस्थ एक लिपिक संवर्गीय कर्मचारी ने हरवेन्द्र बघेल से लंबी राशि का लेन देन कर वरिष्ठता का लाभ प्रदान कर दिया ।

जानकारी के अनुसार हरवेन्द्र बघेल छिंदवाड़ा जिले में पदस्थ दे और इन्होंने स्वयं के व्यय पर सिवनी जिले में अपना स्थानांतरण कराया था और शासन के नियमानुसार इस प्रकार के स्थानांतरण के बाद सीनयारटी की पात्रता समाप्त हो जाती है परंतु संबंधित शाखा के तत्कालीन लेखापाल या वरिष्ठ अधिकारियों के इशारे पर इन्हें सीनयारटी का लाभ भी मिल गया और इन्होंने विभागीय अधिकारियों पर अपना ऐसा जादू चलाया है कि सिवनी दक्षिण वन मंडल में इन्हीं के इशारे पर सारे काम हो रहे है ।

बताया जाता है कि उप वनपरिक्षेत्र अधिकारी हरवेन्द्र बघेल जहाँ का चाहे वहाँ के वनपरिक्षेत्र अधिकारी का चार्ज ले रहे है और वन परिक्षेत्रों में किस वन परिक्षेत्र अधिकारी की तैनाती होगी यह भी इन्ही के द्वारा तय किया जाता है । उप वनपरिक्षेत्र अधिकारी को अनेक वन परिक्षेत्रों में अनेक तरह के प्रभार दिये गये है बताते है कि इन्हें कुरई वन परिक्षेत्र अधिकारी का भी प्रभार दिया जा रहा है। इसके साथ ही हरवेंद्र बघेल विभाग के द्वारा कराये जा रहे करोड़ो रूपये निर्माण कार्य भी करा रहे है । वही इनके समकक्ष अन्य अधिकारियों को लूप लाईन में डालकर रखा गया है । हरवेंद्र बघेल की विभागीय अधिकारियों से सांठगांठ के कारण इनके वरिष्ठ अधिकारी भी हरवेन्द्र बघेल से खौफ खाते है ।

गुरु पूर्णिमा पर योगाचार्यों का सम्मान

भोपाल। योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में भोपाल की अग्रणी संस्था योग अनुसंधान परिषद कल अपने योगाचार्यों का सम्मान करेगी। योगाचार्य श्रीमती पुष्पा भदौरिया, श्री केएम त्रिपाठी, श्री मनोज छाबड़ा, सुश्री निधि शर्मा, श्रीमती सीमा धीमान, सुश्री जानकी भदौरिया को पूर्व मंत्री एवं विधायक श्री पीसी शर्मा तथा संस्था के अध्यक्ष श्री सिकंदर अहमद प्रशस्ति पत्र देकर शाल एवं श्रीफल से सम्मानित करेंगे। कार्यक्रम कोटरा सुल्तानाबाद स्थित योग अनुसंधान परिषद के डॉ. गांगुली योग भवन में दिनांक 3 जुलाई 2023 को शाम 6 बजे आयोजित होगा।

आयुष्मान के लाभार्थियों को PVC आयुष्मान कार्ड वितरित

बरघाट यशोः- आयुष्मान भारत ÷निरामय ÷ योजनान्तर्ग पात्र हितग्राहियों को पांच लाख प्रति हितग्राही परिवार प्रतिवर्ष निःशुल्क उपचार प्रदाय किए जाने का प्रावधान के अन्तर्गत मध्यप्रदेश सरकार के द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण और भारत सरकार के मार्गदर्शन में आज 01 जुलाई को आयुष्मान के लाभार्थियों को छपे हुए PVC कार्ड डिजीटल माध्यम से आयुष्मान कार्ड वितरण किए जाने साथ ही राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन 2047 मिशन का शुभारंभ एवं पूरे प्रदेश में हितग्राहियों को सिकल सेल काउंसलिंग की जानकारी प्रदाय किए जाने के निर्देश प्राप्त हुए। जिसके अन्तर्गत कार्यक्रम जिला शहडोल में आयोजित किया गया। शासन? से प्राप्त निर्देश के परिपालन में आज 01 जुलाई 2023 को बरघाट नगर के समस्त 15 वार्डो का सामूहिक कार्यक्रम नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 10 स्थित मंगल भवन में आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के उद्बोधन कार्यक्रम का सीधा प्रसारण एल.ई.डी. स्क्रीन के माध्यम किया गया।

नगर परिषद बरघाट क्षेत्रान्तर्गत नगर के 15 वार्डों के हितग्राहियों हेतु निकाय को लगभग 1800 आयुष्मान कार्डएवं 01 सिकल सेल काउलिंग कार्ड प्राप्त हुए जिनका ई-केवायसी के माध्यम से वितरण समस्त वार्डो में एवं कार्यक्रम स्थल में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती इमरता साहू, उपाध्यक्ष श्रीमती ममता अनिल पाठक, सभापति एवं पार्षद गणों मे श्रीमती निधि ऋषभ जायसवाल, ज्ञानसिंह चौधरी, हेमंत राहंगडाले, असंत उइके सहित सांसद प्रतिनिधि अनिल पाठक, अनुविभागीय दंडाधिकारी महेश अग्रवाल, मुख्य नगर पालिका अधिकारी वेदप्रकाश पुरी गोस्वामी, श्रीकृष्ण टे मरे, नंदकिशोर मसराम, स्वास्थ्य विभाग का अमला, आंगनवाडी कार्यकर्ता सहित नगर परिषद का सम्पूर्ण अमला उपस्थित रहा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से दो मवेशियों की मौत

सिवनी यशोः- सिवनी नगरीय क्षेत्र में आवारा पशु सडको पर तांडव कर रहे है और दुर्घटनाएँ होने की संभावनाएँ बनी रहती है वहीं वाहनो से टकराने के कारण पशुओं की मौत भी हो जाती है ।

सड़को पर आवारा पशुओं की धमाचौकड़ी रात्रि के समय बेहद खतरनाक हो जाती है वहीं दिने के समय भी सड़को पर आवारा पशुओं के कारण व्यापारी और आमजन परेशान रहते है सड़को पर इनकी स्वच्छंदता यातायात व्यवस्था को तहस नहस कर देती है अनेक वाहन चालक इनके आपसी झागड़े से चोटिल भी हो जाते है । नगरीय क्षेत्र के साथ ही सिवनी मुख्यालय से लगे हुये ग्रामों में भी इसी प्रकार के हालत है । मूक पशुओं के मालिक इन पाशुओं को सड़को पर छोड़ देते है और हादसे होते है

आज इसी प्रकार से सिवनी मुख्यालय से लगे हुए नागपुर-जबलपुर नेशनल हाईवे मार्ग खेरी गांव में सड़क पर 2 मवेशियों का शव पड़ा मिला है। वही बताया जा रहा है कि किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिसके कारण उनकी मौत हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नेशनल हाईवे पर खेरी के समीप ट्रकों का आना जाना अधिक मात्रा में होता है। और ट्रक चालक लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए निकलते हैं। जिसके चलते इस तरह घटनाएं सामने आ रही है। बीते दिवस भी सड़क किनारे खड़े व्यक्ति को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी। जिसके कारण उसकी मौत हो गई थी। ऐसे और भी घटनाक्रम सामने आए हैं। स्थानीय लोगो ने बताया कि जिस जगह यह हादसा हुआ वहां सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। यदि पुलिस सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो यह पता लग जाएगा कि किस वाहन की टक्कर से मवेशियों की मौत हुई है। लोगो ने यह भी बताया कि इस जगह स्टेट भी बंद पड़ी है। जिससे आने जाने लोगो को अँधेरे में निकलना पड़ता है। इस तरह के हादसों से पशुपालकों में रोष है। वही मृत मवेशियों को आवारा कुत्तों द्वारा खाया जा रहा है। घटना की जानकारी लोगो द्वारा अधिकारियों को दी गई है। जहाँ यह दुर्घटना हुई वहाँ लोगों का आना जाना अधिक होता है। यदि घटना के समय लोग मौजूद होते तो जन हानि भी हो सकती थी।

स्वत्व और स्वाभिमान से स्वयं को प्रकाशित होने का संदेश है गुरु पूर्णिमा

रमेश शर्मा–

गुरु पूर्णिमा अर्थात अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर की और यात्रा और व्यक्ति से लेकर राष्ट्र तक स्वाभिमान जाग्रत कराने वाले परम् प्रेरक के लिये नमन् दिवस। जो हमें अपने आत्मबोध, आत्मज्ञान और आत्म गौरव का भान कराकर हमारी क्षमता के अनुरूप जीवन यात्रा का मार्गदर्शन करें वे गुरु हैं। वे मनुष्य भी हो सकते हैं, और कोई प्रतीक भी।

संसार में कोई अन्य प्राणी भी, ज्ञान दर्शन कराने वाला कोई दृश्य, कोई घटना, कोई ग्रंथ या ध्वज जैसा भी कोई प्रतीक हो सकता है। अपने ज्ञान दाता के प्रति आभार और उनके द्वारा दिये गये ज्ञान से स्वयं के साक्षात्कार करने की तिथि है गुरु पूर्णिमा।

आषाढ़माह की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाने का भी एक रहस्य है। भारत में प्रत्येक तीज त्यौहार के लिये तिथि का निर्धारण साधारण नहीं होता, प्रत्येक तिथि का अपना संदेश होता है। गुरु पूर्णिमा की तिथि का भी एक संदेश है। इसका निर्धारण एक बड़े अनुसंधान का निष्कर्ष है। वर्ष में कुल बारह पूर्णिमाएँ आतीं हैं। इन सभी में केवल आषाढ़ की पूर्णिमा ऐसी है जिसमें चंद्रमा का शुभ्र प्रकाश धरती पर नहीं आ पाता। या सबसे कम आता है ।वर्षा के बादल चंद्रमा के प्रकाश का मार्ग अवरुद्ध कर देते हैं । एक प्रकार से चंद्रमा को ढंक लेते हैं । शुभ्र चंद्र-प्रकाश तो धरती पर आने का प्रयत्न तो करता है पर बादल अवरोध बन जाते हैं । यदि गुरु का संबंध केवल ज्ञान और प्रकाश से होता तो अश्विनी मास की शरद पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा माना जा सकता था । चूँकि इस पूर्णिमा को धरती पर आने वाला चन्द्र प्रकाश सबसे धवल और मोहक होता है। लेकिन इसके ठीक विपरीत आषाढ़ की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा माना गया । इसका संदेश ज्ञान पर आनी वाली भ्रान्तियों को दूर करना है।

आषाढ़ की पूर्णिमा पर चन्द्र प्रकाश को रोकने वाले बादल स्थाई नहीं होते, वह अवरोध मौलिक नहीं होता, कृत्रिम होता है, अस्थाई होता है, जो समय के साथ छंट जाता है। ठीक इसी प्रकार मनुष्य की आँखो पर अज्ञान के बादल छाये रहते हैं । भीतर आत्मा तो परमात्मा का अंश है, जो ज्ञान और प्रकाश का पुंज है । पर मनुष्य का अज्ञान, अशिक्षा और भ्रांत धारणाओं की परतें आत्मा को ढक लेती हैं। जिससे मनुष्य की प्रगति अवरुद्ध होंने लगती है और उसके कुमार्ग पर चलने की आशंका हो जाती है।

जिस प्रकार पवन देव बादलों को उड़ा ले जाते हैं धरती और चन्द्रमा के बीच का अवरोध समाप्त कर देते हैं, और शुभ्र चंद्र प्रकाश पृथ्वी की मोहक छवि को पुनः उभारने लगता है उसी प्रकार मनुष्य के ज्ञान बुद्धि पर पड़े अवरोध स्वयं नहीं हटते, उन्हे हटाने के लिये कोई प्रयत्न चाहिए, कोई निमित्त चाहिए । जो अज्ञान की परत का क्षय करके स्वज्ञान का भान करा सके । अज्ञान का हरण कर स्वज्ञान के इस जाग्रत कर्ता को ही गुरु कहा गया है । यह गुरु की विशेषता होती है कि अज्ञानता के अंधकार की ये सभी परतें हटा कर उसे उसके स्वत्व से साक्षात्कार कराता है । मनुष्य की विशिष्ठता को नये आयाम, नयी ऊँचाइयाँ देने में मार्ग दर्शन करता है । आषाढ़ की पूर्णिमा इसी का प्रतीक है।

शिक्षक और गुरु में अंतर

गुरुत्व परंपरा में एक बात महत्वपूर्ण है। शिक्षक, आचार्य, गुरू और सद्गुरु में अंतर होता है। शिक्षक और आचार्य गुरु तुल्य तो होते हैं पर गुरु नहीं होते। एक तो शिक्षक अस्थाई होते हैं और वे केवल निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार चलते हैं। शिक्षा और ज्ञान में अंतर है। शिक्षा केवल सैद्धांतिक होती है। यदि पाठ्यक्रम में कुछ असत्य है आधारहीन है तब भी शिक्षक उसी अनुसार अपना कार्य करते हैं।जबकि आचार्य इस पाठ्यक्रम में व्यवहारिक पक्ष को भी सम्मिलित कर व्यक्तित्व निर्माण पर भी ध्यान देते हैं। लेकिन गुरु इनसे बहुत आगे हैं।

गुरु पहले शिष्य की प्राकृतिक प्रतिभा क्षमता रुचि का आकलन करते हैं, उसकी मौलिक प्रतिभा को जाग्रत करते है। फिर उसके अनुरूप पाठ्यक्रम का निर्धारण करते हैं। युधिष्ठिर, भीम और अर्जुन तीनों थे तो एक ही कक्षा में पर गुरु द्रोणाचार्य ने तीनों को उनकी प्रतिभा और क्षमता के अनुरूप अलग-अलग अस्त्र शस्त्र में प्रवीण बनाया। गुरू सदैव अपने शिष्य की रुचि और प्राकृतिक क्षमता को ध्यान में रखकर शिक्षा और ज्ञान दोनों का निर्धारण करता है।

एक मनुष्य दूसरे मनुष्य से केवल चेहरे की बनावट, बोली, रुचि, पसंद नापसंद या डीएनए में ही अलग नहीं होता । वह प्राकृतिक विशेषताओं में भी पूरी तरह अलग होता है, विशिष्ट होता है। प्रकृति ने प्रत्येक व्यक्ति को उसकी प्रतिभा में विशिष्ट बनाया है। व्यक्ति की यह मौलिक प्रतिभा क्या है, क्षमता क्या है, मेधा क्या है और प्रज्ञा कैसी है। इसका आकलन गुरु करते हैं। और उस व्यक्ति को उसके मूल तत्व का आभास कराते हैं, उसके स्वत्व से साक्षात्कार कराते हैं। जिससे वह अपने जन्म जीवन को योग्य बनाता है। और सद्गुरु।

गुरु केवल लौकिक जगत के ज्ञान विज्ञान तक रहते हैं। एक शिष्य संसार में कैसे श्रेष्ठ बने, संसार में कहाँ क्या है। संसार की प्रकृति, प्राणी और पदार्थ सबसे कैसे तादात्म्य स्थापित हो यह सब ज्ञान गुरु देते हैं। लेकिन सद्गुरू लौकिक और अलौकिक दोनों का मार्ग दर्शन कराते हैं। संसार के आगे क्या है ? दृश्य जगत के आगे अदृश्य की शक्ति क्या है । यह ज्ञान सद्गुरु से मिलता है। अर्जुन के गुरु द्रोणाचार्य हैं। पर जब योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण ने गीता का ज्ञान दिया तब अर्जुन ने कहा- ÷मुझे सद्गुरु की भाँति उपदेश करें÷ और तब ही भगवान श्रीकृष्ण ने विभूति और विराट से परिचय कराया।

इस प्रकार संसार में जीने योग्य बनाने, सफलता प्राप्त करने, लौकिक जगत को समझने और अलौकिक जगत का साक्षात्कार कराने वाली विभूति को गुरु कहा गया और उनके प्रति आभार प्रकट करने की तिथि है गुरु पूर्णिमा।

गुरु पूजन परंपरा का आरंभ

इस दिन शिष्य अपने गुरु की अभ्यर्थना करते हैं, वंदना करते हैं। यह एक प्रकार का पूजन है। गुरु पूजन की यह परंपरा कब से आरंभ हुई यह नहीं कहा जा सकता है। भारतीय वाड्मय में पीछे जितनी दृष्टि जाती है वहाँ गुरु परंपरा के आख्यान मिलते हैं । परम् गुरु भगवान् शिव को माना गया है। आदि गुरु महर्षि कश्यप, महर्षि भृगु, देव गुरु बृहस्पति और दैत्य गुरु शुक्राचार्य माने गये हैं। इसके बाद विभिन्न ऋषियों राजकुलों के गुरु के रूप में उल्लेख मिलता है। राजकुलों में बीच-बीच में गुरु बदले भी हैं। यह वर्णन भी पुराणों में है। पौराणिक आख्यानों में केवल गुरु परंपरा का ही उल्लेख नहीं अपितु ऋषियों की ज्ञान सभा होने के भी उल्लेख है।

आरंभिक काल में ऐसी ज्ञान सभाएं शिव निवास कैलाश पर्वत पर होती थीं। जिनमें ऋषिगण भाग लेते थे, वे शिवजी के सामने समाज की स्थिति का चित्रण करते थे फिर भगवान् शिव समाधान सूत्र दिया करते थे। इसके बाद ऐसी ज्ञान सभाएं काशी में होने लगीं। ये सभाएं भी शिवजी के सभापतित्व में ही होतीं थीं। इसलिये भगवान शिव को ही आदि गुरु या परम् गुरु कहा गया है।आगे चलकर इन समाजों का केन्द्र नैमिसारण्य बना। यहाँ आचार्य प्रमुख महर्षि भृगु थे और यहीं से सभापतित्व का दायित्व ऋषियों के हाथ में आया। इन सभाओं का सप्त ऋषियों में से कोई अथवा उनके द्वारा आमंत्रित कोई अन्य प्रमुख ऋषि द्वारा सभापतित्व करने की परंपरा आरंभ हुई । ये सभाएं चतुर्मास की पूरी अवधि में हुआ करतीं थीं जो आषाढ़ की पूर्णिमा से आरंभ होकर शरद पूर्णिमा तक निरंतर चला करतीं थीं। इसलिये आज भी गुरु परंपरा के प्रत्येक संत इस अवधि में अपने मूल आश्रम में ही निवास करते हैं।

नेमीसारण्य की इस ज्ञान सभा परंपरा के शिथिल होंने के बाद क्षेत्रीय सभाओं की परंपरा आरंभ हुई और इसी के साथ स्थानीय स्तर पर गुरु वंदन पूजन आरंभ हुआ । यद्यपि शंकराचार्य पीठ, महामंडेश्वर पीठ आदि प्रमुख गुरु स्थानों पर आज भी चतुर्मास में निरंतर व्याख्यान होने की परंपरा हो।

पुराणों में आषाढ़ पूर्णिमा को गुरु महत्ता स्थापना की पहला विवरण त्रेता युग के आरंभ में मिलता है । इसी तिथि को भगवान् शिव ने नारायण के अवतार भगवान् परशुराम जी को शिष्य के रूप में स्वीकार किया था। भगवान् शिव के भक्त तो सभी हैं पर शिष्य अकेले परशुराम जी। और इसी तिथि से भगवान् अमरनाथ के दर्शन आरंभ होने परंपरा भी बनी। वशिष्ठ परंपरा में इस तिथि को महर्षि व्यास का जन्म हुआ, जिन्होंने वेदों का भाष्य तैयार किया। इस प्रकार इस तिथि का महत्व बढ़ता गया।

गुरु के प्रतीक –प्राणी, प्रकृति, ग्रंथ और ध्वज

आरंभिक काल में गुरु परंपरा के वाहक अधिकाँश ऋषिगणों का उल्लेख मिलता है, पर समय के साथ इसका विस्तार हुआ। गुरु केवल ऋषि ही बनें अथवा जीवन में केवल एक ही गुरु हों यह बंधन कभी नहीं रहा। एक से अधिक गुरु और ऋषियों से इतर किसी प्रतीक या घटना को भी गुरु मानने की परंपरा रही है। यहाँ तक कि पशु पक्षी और सेवक के अतिरिक्त कोई प्रतीक जैसे यज्ञ, ग्रंथ और ध्वज को भी गुरु का मानने की परंपरा आरंभ हुई।

भगवान् दत्तात्रेय जी के चौबीस, भगवान् परशुराम जी के सात और राजा जनक के तीन गुरु होने का वर्णन मिलता है। भगवान् दत्तात्रेय की चौबीस गुरु संख्या में पृथ्वी, जल, अग्नि आकाश भी हैं। उन्होंने मधु मक्खी, श्वान् आदि उन पशु पक्षियों को भी अपना गुरु माना जिनसे उन्होंने कार्य संकल्प की सीख लेने का संदेश दिया। दैत्य गुरु शुक्राचार्य ने अपने पिता महर्षि भृगु के साथ यज्ञ को भी गुरु माना। राजा जनक के तीन गुरु संख्या में प्रतीक के रूप में वेद भी गुरु हैं आगे चलकर राजा जनक ने अन्य राजाओं को वेदज्ञान दिया ऋषिका देवहूति ने अपने पुत्र कपिल मुनि को गुरु रूप में स्वीकारा तो ऋषि कहोड़ ने अपने पुत्र अष्टावक्र को गुरु समान आदर दिया।

आदि शंकराचार्य जी ने एक चाँडाल को गुरु समान आदर दिया और पंचकम् की रचना की। स्वामी विवेकानंद ने खेतड़ी की नृत्यांगना को माँ कहकर पुकारा और गुरु का सम्मान दिया। इसी परंपरा के अंतर्गत राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने ÷ध्वज÷ को गुरु रूप में स्वीकारा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयं सेवक गुरु पूर्णिमा पर ध्वज का ही पूजन करते हैं। संघ की स्थापना के तीन वर्ष बाद ध्वज पूजन की यह परंपरा आरंभ हुई। भारत में यह ध्वज पूजन परंपरा पहली नहीं है। भारत में अनादि काल से ध्वज को सम्मान का प्रतीक माना और इसकी रक्षा के लिये प्राणोत्सर्ग करने की घटनाओं से प्राचीन ग्रंथ भरे पड़े हैं। ध्वज नायक या राज्य की पहचान का प्रतीक थे, जैसे गरुड़ ध्वज नारायण की, अरुण ध्वज सूर्य की पहचान रहें हैं।

ध्वज को राष्ट्र के प्रतीक के रूप में वंदन करने की परंपरा आचार्य चाणक्य के समय आरंभ हुई । आचार्य चाणक्य ने भगवा ध्वज को भारत राष्ट्र की पहचान और मान का प्रतीक प्रमाणित किया। ज्ञान के लिये शब्द और स्वर के साथ प्रतीक भी माध्यम होते हैं। उसी प्रकार व्यक्ति, परिवार समाज और राष्ट्र संस्कृति के स्वत्व की पहचान का प्रतीक ध्वज होता है।

गरुड़ ध्वज से नारायण और अरुण ध्वज से सूर्य की पहचान होती है उसी प्रकार भगवा ध्वज भारत राष्ट्र की पहचान है। भगवा अग्नि शिखा का रंग होता है, सूर्योदय की आभा ऊषा का रंग होता है जो समता समानता का द्योतक होता है। अग्नि सभी को एकसा ताप देती है। सूर्य सबको समान प्रकाश और ऊर्जा देता है। इसलिए भारत ने अपनी ध्वजा का रंग भगवा स्वीकार किया । स्वाभिमान के जागरण का प्रतीक शब्द %ध्वज% संस्कृत की ÷ध्व÷ धातु से बनता है। इसका आशय धरती की केन्द्रीभूत शक्ति होता है। इसे धारण करने के कारण ही ऋग्वेद में धरती केलिये ÷धावा÷ उच्चारण आया है। भगवा ध्वज भारत राष्ट्र का प्रतीक है इसकी कोई राजनैतिक अथवा क्षेत्र विशेष की सीमा नहीं है । यह शिक्षा संस्कार, सात्विकता और स्वाभिमान का प्रतीक है।

भारत ने पूरी धरती के निवासियों को एक कुटुम्ब माना। इसलिए भारत ने कभी भी, किसी भी युग में राजनैतिक या साम्राज्य विस्तार के लिये कोई युद्ध नहीं किया। जो युद्ध हुये वे सुरक्षा के लिये हुये अथवा धर्म, नैतिकता और संस्कृति की रक्षा के लिए हुये वह भी आक्रामक नहीं केवल सुरक्षात्मक। ये युद्ध भी तब हुये जब शाँति के सभी मार्ग अवरुद्ध हो गये। इन युद्धों में सिद्धांत स्वाभिमान के साथ ध्वज का सम्मान सर्वोपरि रहा।

ध्वज भूमि पर न गिरे इसके लिये कितने लोगों ने अपने प्राणों की आहुतियाँ दीं हैं यह हमने दाशराज युद्ध, राम रावण युद्ध, महाभारत युद्ध से लेकर भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भी देखा। ध्वज किसी भी राष्ट्र और संस्कृति के गौरव और सम्मान का प्रतीक माना गया है। इससे आत्मगौरव और स्वाभिमान का भी वोध होता है। यह राष्ट्र और स्वाभिमान वोध ही है जो व्यक्ति को स्वत्व सम्मान की स्थापना के लिये प्रेरित करता है। यह बात आचार्य चाणक्य ने कही थी और इसीको आगे बढ़ाया राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के संस्थापक डा हेडगेवार ने ।उन्होंने कहा था ÷जो आत्मवोध कराये वह गुरु है, मनुष्य या प्राणी का जीवन तो सीमित होता है। समय और आयु अवस्था उनकी क्षमता और ऊर्जा को प्रभावित करती है, अतएव गुरु चिरजीवी होना चाहिए ÷।

अष्टावक्र से मिले आत्मज्ञान के बाद इसी भाव के अनुरूप राजा जनक ने वेद को भी गुरु तुल्य आसन दिया । गुरुग्रंथ साहिब को गुरु स्थान का सम्मान देना इसी परंपरा का पालन है।

लेकिन वर्तमान परिस्थिति में जितनी आवश्यकता आत्मज्ञान की है उससे अधिक आवश्यकता स्वत्व के वोध और राष्ट्र के स्वाभिमान जागरण की है। उधार के सिन्दूर से कोई सौभाग्यवती नहीं हो सकती, वैशाखियों के सहारे कोई पर्वत की चोटी पर नहीं जा सकता उसी प्रकार कोई व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र अपने स्वत्व से दूर होकर प्रतिष्ठित नहीं हो सकता। यह भगवा ध्वज प्रत्येक भारतीय को उसके स्वत्व और स्वाभिमान का वोध कराता है । व्यक्तिगत ज्ञान केलिये किन्हीं ऋषि तुल्य विभूति से दीक्षा लेना आवश्यक है पर राष्ट्र स्वाभिमान जागरण कर्ता के रूप में ध्वज के अतिरिक्त कोई प्रतीक नहीं हो सकता।

आज जीवन की आपाधापी है। भौतिक सुख सुविधाओं के संघर्ष में आत्मगौरव कहीं छूट रहा है। इसके लिये आवश्यक हैं कि गुरु पूर्णिमा पर केवल गुरु वंदन पूजन तक सीमित न रहें। प्रत्येक व्यक्ति कमसेकम एक बार आत्म चिंतन अवश्य करे स्वयं के बारे में, अपने परिवार के बारे में, अपनी परंपराओं के बारे में और अपने राष्ट्रगौरव के बारे में । और यदि कहीं चूक हो रही है तो उसकी पुनर्प्रतिष्ठा कैसे की जाये इसका संकल्प लिया जाय तभी गुरु पूर्णिमा पर गुरु वंदन पूजन सार्थक होगी।

---

4 जुलाई को मुख्यमंत्री शिवराज करेंगे सीखो कमाओ योजना के पंजीयन का शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना के तहत चार जुलाई से पात्र युवाओं का पंजीयन शुरू हो जाएगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान रविंद्र भवन, भोपाल में इसके पंजीयन का शुभारंभ करेंगे। इसमें चिह्नित युवाओं का प्रतीकात्मक पंजीयन मुख्यमंत्री के द्वारा किया जाएगा। इस आनलाइन प्रक्रिया में युवाओं को कौशल सीखने के साथ ही आठ से दस हजार रुपये मासिक मानदेय (स्टाइपेंड) दिया जाएगा। इसमें से 75 प्रतिशत राशि राज्य सरकार देगी और 25 प्रतिशत राशि कंपनी द्वारा दी जाएगी। अब तक 10,368 प्रतिष्ठान (कंपनियां) पंजीकृत हो गई है और इन कंपनियों में 34 हजार से अधिक रिक्त पदों पर युवाओं की नियुक्ति की जाएगी।

इस कार्यक्रम में MMSKY (मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना) पोर्टल का शुभारंभ किया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत युवाओं को प्रशिक्षण देने वाले प्रतिष्ठानों का पंजीयन सात जून से प्रारंभ हो गया है। काम सीखने के इच्छुक युवाओं का पंजीयन चार जुलाई से आरंभ होगा। 15 जुलाई से युवाओं का आवेदन आरंभ होगा तथा 31 जुलाई से युवा, प्रतिष्ठान एवं मध्य प्रदेश के बीच अनुबंध हस्ताक्षर (आनलाइन) की कार्रवाई होगी। एक अगस्त से विभिन्न प्रतिष्ठानों में युवाओं का प्रशिक्षण प्रारंभ होगा। एक माह प्रशिक्षण के बाद अर्थात एक सितंबर से युवाओं को मानदेय राशि (स्टाइपेंड) का वितरण राज्य शासन द्वारा किया जाएगा। यह सभी प्रक्रिया पोर्टल के माध्यम से आनलाइन की जाएगी।

कन्यादान योजना का पैसा करवा रहा भ्रष्टाचार, 247 में से 200 जोड़े निकले अपात्र

मध्य प्रदेश के कटनी में कन्यादान योजना के तहत 247 जोड़ों का विवाह होना था, जिसमें 200 जोड़ों को अपात्र घोषित किया गया. आखिर में 46 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। इनमें 44 जोड़े हिंदू और दो जोड़े मुस्लिम थे।

भोपाल। कटनी जिले में अधिकारियो ने कन्यादान योजना के तहत आवेदन देने वाले 247 में से 200 जोड़ों को अपात्र घोषित किया है। इसके बाद सिर्फ 46 जोड़े ही परिणय सूत्र में बंधे। जनपद पंचायत के सीईओ के मुताबिक 200 जोड़े पहले से शादीशुदा थे। जांच में उन्हें कन्यादान योजना के लिए अपात्र माना गया। अन्य लोगों का विवाह संपन्न हो गया है।

मुख्यमंत्री कन्यादान योजना लंबे अरसे से विवादों में है। कभी घटिया गहनों की बात आती है तो कभी घटिया गिफ्ट की। इसके बाद शासन स्तर पर तय हुआ कि हितग्राहियों के खाते में पैसे ट्रांसफर कर दिए जाएगे। पर अब यह भी सामने आया है कि योजना के तहत पैसा पाने के लिए जोड़े झूठ बोलकर कन्यादान योजना में विवाह करा रहे हैं। जांच में पता चला कि 247 जोड़ों ने आवेदन दिया था। उसमें से करीब 200 जोड़ें को अपात्र घोषित किया गया है। इसका खुलासा खुद प्रशासनिक अधिकारियों ने किया है।

मामला मध्यप्रदेश के कटनी जिले का है, जहां ढीमरखेड़ा जनपद पंचायत में 28 जून को मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत 46 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। इसके लिए जनपद पंचायत में 247 आवेदन आए थे। विभागीय जांच में 200 जोड़े शादी-शुदा निकले। अधिकारियो ने सभी 200 जोड़ों को अपात्र घोषित करते हुए 47 लोगों को पात्र पाया। योजना से एक जोड़ा नदारद रहा इसलिए महज 46 जोड़े लाभान्वित हुए। 44 जोड़े हिंदू रीति-रिवाज से शादी के बंधन से बंधे तो दो मुस्लिम जोड़ों ने निकाह किया।

कार्यवाही होगी

ढीमरखेड़ा जनपद पंचायत सीईओ विनोद पांडे ने बताया कि पात्र 46 जोड़ों का विवाह करवाया गया। इसके बाद शासन की मंशा के अनुसार प्रत्येक जोड़े को गृहस्थी के सामान के लिए 49 हजार रुपये की राशि आरटीजीएस के माध्यम से दी गई है। अपात्र होने के बाद भी आवेदन के मामले सामने आने पर जांच की जाएगी और दोषियों पर कार्यवाही की जाएगी।

चार करोड़ कांवड़ियों के हरिद्वार पहुंचने का अनुमान

भोपाल। हरिद्वार में 4 जुलाई से शुरू होने वाली कांवड़ यात्रा की तैयारियां पूरी हो गई हैं. आज एडीजी लॉ एंड ऑर्डर वी मुरुगेशन ने अधिकारियों की बैठक ली. बैठक में जिलाधिकारी और एसएसपी समेत बड़ी संख्या में अधिकारी मौजूद रहे. एडीजी लॉ एंड ऑर्डर वी मुरुगेशन ने ड्यूटी में तैनात जवानों को कांवड़ मेले को सकुशल संपन्न कराने के दिशा निर्देश दिए. उन्होंने बताया कि कांवड़ मेले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है.

गांधी सागर अभयारण्य में होगा विलुप्त हो रहे गिद्धों का संरक्षण, प्लान तैयार

भोपाल। विलुप्त हो रहे गिद्धों के संरक्षण लिए मंदसौर के गांधी सागर अभयारण्य में विशेष परियोजना लागू की जा रही है। इसका प्लान तैयार कर लिया गया है। नेस्टिंग साइट को पहचान कर उसका संरक्षण करने के लिए अभयारण्य में वन कर्मचारियों की ट्रेनिंग के लिए वर्कशॉप का आयोजन किया गया।

गांधी सागर अभयारण्य गिद्धों का प्राकृतिक आवास है। यहां पर गिद्ध की चार प्रजातियां पाई जाती हैं। शीत ऋतु में यहां गिद्ध की तीन प्रजातियां प्रवास करती है। 2021 में जब गिद्ध गणना हुई तो मंदसौर जिले में 700 गिद्ध पाए गए थे। यह मध्यप्रदेश में पन्ना के बाद दूसरे स्थान पर है। गिद्धों के संरक्षण हेतु उनके नेस्टिंग साइट को पहचान कर उनका संरक्षण अत्यंत आवश्यक है ताकि इनकी संख्या बढ़ सके। गिद्ध संरक्षण योजना समिति के डॉक्टर विकास यादव ने गांधी सागर अभयारण्य में गिद्ध के संरक्षण पर वन कर्मचारियों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया।

कार्यशाला में प्रमुख रूप से गिद्धों की प्रजातियों को पहचानना एवं उनके संरक्षण के लिए आवश्यक कार्य पर जोर दिया गया। इसके तहत गिद्धों के प्रजनन काल के दौरान किन-किन क्षेत्रों में किस तरह के वृक्षों पर घोंसले बनाए जाते हैं। इनके प्रजनन के समय किस तरह इन स्थानों को सुरक्षित किया जा सकता है। इन स्थानों के अक्षांश एवं देशांतर लेकर उनकी मैपिंग करना अत्यंत आवश्यक है। इन समस्त बिंदुओं पर डॉक्टर विकास यादव ने वन स्टाफ को प्रशिक्षण दिया। अभयारण्य के आसपास ग्रामीणों से चर्चा कर पालतू पशुओं की डंपिंग साइट की पहचान कर भविष्य में वल्चर रेस्टोरेंट हेतु जगह खोजना भी प्लान में शामिल है। गिद्धों को नुकसान पहुंचाने वाली प्रतिबंधित दवाओं का उपयोग नहीं करने के संबंध में प्रारंभिक सर्वेक्षण किया गया है। वैकल्पिक दवाइयों की जानकारी एकत्रित करने के लिए स्टाफ को निर्देशित किया है। प्रशिक्षण में वन मंडल अधिकारी मंदसौर संजय रायखेरे, अधीक्षक गांधी सागर राजेश मण्डावलिया एवं रेंजर उपस्थित थे।

बाघ के शिकार के बाद रेड अलर्ट, 2023 में भारत में 100 और टाइगर स्टेट MP में सबसे ज्यादा 26 मौत

वन विभाग को 26 जून को सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की चूरना रेंज के डबरा बीट में बाघ का शव मिला था। शिकारी बाघ का सर काट कर ले गए। इस मामले में स्पेशल टाइगर फोर्स के साथ ही वन विभाग की टीम सर्चिंग कर रही है।

भोपाल। मध्य प्रदेश में शिकारियों के एक बाघ का सिर काटकर ले जाने की घटना ने बाघों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। हद तो यह है कि अधिकारियों ने इस घटना को तीन दिन तक दबाए रखा। अब मामला सामने आने के बाद वन्य जीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो ने देश भर के बाघ संरक्षण क्षेत्रों और उससे जुड़े जंगल में शिकारियों से सुरक्षा को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश में सतपुड़ा, कान्हा, बांधवगढ़, पेंच और संजय दुबरी टाइगर रिजर्व है। मध्य प्रदेश में 2018 की जनगणना के अनुसार टाइगर की संख्या 526 थी। अब अनुमान लगाया जा रहा है कि यह संख्या बढ़कर 600 के पार पहुंच गई है। वन्य जीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो के पत्र के बाद मध्य प्रदेश में वन विभाग का अमला अलर्ट हो गया है। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि स्टाफ को टाइगर रिजर्व के साथ ही बाघ मूवमेंट वाले इलाकों में गश्त बढ़ाने के साथ ही अपने मूखबिरों को सक्रिय करने के लिए कहा गया है। इसमें जंगल से लगे डेरो की तलाशी, जंगल में संदिग्धों के मूवमेंट पर जनकर के साथ ही सक्रियता बढ़ाने को कहा गया है।

अब तक शिकारियों का पता नहीं

वन विभाग को 26 जून को सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की चूरना रेंज के डबरा बीट में बाघ का शव मिला था। शिकारी बाघ का सर काट कर ले गए। इस मामले में स्पेशल टाइगर फोर्स के साथ ही वन विभाग की टीम सर्चिंग कर रही है। लेकिन अब तक शिकारियों का पता चला ना उनके संबंध में कोई जानकारी मिली। वन विभाग के अधिकारियों के हाथ खाली ही है।

2023 के 6 माह में सबसे ज्यादा 26 मौत

देश में 2023 में करीब 100 बाघों की मौत हुई है। इसमें सबसे ज्यादा मौत मध्य प्रदेश में 26 टाइगर की मौत हुई है। इससे पहले वर्ष 2022 में प्रदेश में सबसे ज्यादा 36 टाइगरों की मौत हुई थी। वहीं, शिकारियों ने 10 बाघों का शिकार किया गया था। इसमें से भी दो मामले में किसी की अब तक गिरफ्तारी नहीं हुई।

टाइगर का सिर कटा तो नींद टूटी

वाइल्ड लाइफ एक्टिविस्ट अजय दुबे ने मुख्यमंत्री से बाघों को बचाने की मांग की। उन्होंने कहा कि गैरजिम्मेदार और लापरवाह दोषी अधिकारियों दंड दिया जाए। उन्होंने कहा कि पिछले कई सालों से मध्य प्रदेश बाघों की मौत में नंबर-1 बना हुआ है। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में टाइगर का सर काटा तो भारत सरकार की नींद टूटी और अलर्ट जारी किया। दिक्कत मध्य प्रदेश की वाइल्ड लाइफ के टॉप अफसरों की अक्षमता और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के भ्रष्ट अधिकारियों से है, जिनका इलाज मध्य प्रदेश सरकार जल्द करें।

हमारी टीमें सक्रिय हो गई

पीसीसीएफ (वाइल्ड लाइफ) जसवीर सिंह चौहान ने रेड अलर्ट को लेकर कहा कि हमारी टीमें सक्रिय है। गस्त, संदिग्धों के ऊपर पहले से ही नजर रखी जा रही थी। अब इसे और सक्रियता से किया जा रहा है। जंगल से लगे घरों, डेरो, गांव में सर्चिंग के साथ ही संदिग्ध लोगों और वाहनों कीी जांच करने को कहा गया है। उन्होंने चूरना में बाघ के शिकार मामले में कहा कि टीमें शिकारियों की तलाश कर रही है। प्राथमिक रिपोर्ट के अनुसार बाघ की मौत के बाद उसका सर काटा गया है। इसमें स्थानीय असामाजिक तत्वों की भूमिका होने का संदेह है। प्रदेश में बाघों की मौत पर चौहान ने कहा कि इसमें प्राकृतिक मौते ज्यादा है। हमारा प्रयास है कि बाघ का शिकार और अप्राकृतिक मौत ना हो।

रेल विकास समिति की बैठक स पन्न

शिकारा-रामटेक रेल लाइन के लिये सभी दलों को करना होगा प्रयास

सिवनी रेल विकास समिति
हार्दि नन्दन

सिवनी यशोः-जिले में शिकारा से रामटेक के मध्य नई बडी लाइन को स्वीकृति प्रदान करने के लिये प्रयास रत संस्था रेल विकास समिति को महत्वपूर्ण बैठक विगत दिनांक 1 जुलाई 2023 को डुंडा सिवनी के लान में आयोजित हुई।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में विकास समीति के मिडिया प्रभारी विपिन शर्मा ने बताया कि इस बैठक में मु य रूप से शिकारा -रामटेक रेल लाइन की मांग को प्रमुख रूप से उठाए जाने हेतु विस्तृत रूपरेखा और जन आंदोलन की तैयारी के विषयों पर चर्चा की गई, इसके साथ ही वर्तमान समय में सिवनी में सचालित रेलवे स्टेशन में यात्री सुविधा व सूरक्षा जो कमियां हैं उनके निदान हेतु प्रयास करने की बात भी शामिल की गई।

इस बैठक में सिवनी शहर के गणमान्य नागरिकों एवं विभिन्न दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया एवं नवीन रेल लाईन की मांग के लिए जन आंदोलन हेतु अपनी राय रखी। इस बैठक में सिवनी के विभिन्न अंचलों से लखनादौन, धूमा, छपारा, सिवनी, गणेशगंज, गोपालगंज आदि में सक्रिय विकास समिति के सदस्यों व पद अधिकारी व जागरूक नागरिक भी शामिल हुए बैठक में उपस्थित लोगों द्वारा अपने अपने वक्तव्यों के माध्यम से आंदोलन को सक्रिय रूप से चलाया जाने हेतु सुझाव प्रदान कीया, जिनमें मु य रूप से शिकारा सिवनी रामटेक लाइन हेतु सिवनी जिले के दोनों सांसदो से लाइन स्वीकृति हेतु प्रयास किए जाने हैं का दबाव बनाया जाना, इसके साथ ही जिले में सक्रिया राजनीतिक दलों से मिलकर इस लाइन हेतु प्रयास किए जाने का आग्रह किया किये जाने का निर्णय लिया गया है,

सर्व स मति से निर्णय लिया गया कि जल्द ही दिल्ली जाकर केंद्रीय रेल मंत्री इस कार्य के लिए वर्तमान जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक दलों की मदद से मुलाकात कर विकास के लिये जरूरी इस नए ट्रैक को स्वीकृति प्रदान किये जाने के लिये चर्चा की जाएगी,

जनता में जागरूकता लाए जाने हेतु अभियान चलाए जाने का सुझाव प्राप्त हुआ,रामटेक सिवनी शिकारा लाइन को विधानसभा एवं लोकसभा के चुनाव में प्रमुख मुद्दों के रूप में शामिल करवाया जाना। अलग-अलग स्थानों पर मीटिंग के माध्यम से लोगों को जोड़ें जाने का सुझाव एवं अलग-अलग यात्राओं के माध्यम से जनमानस तक इस मांग को व्यापक रूप से पहुंचाने का प्रयास करने का सुझाव आया एवं इस हेतु सोशल मीडिया में व्यापक कैपेन और पंढ्ढलेट आदि माध्यमों से का प्रयोग करने का सुझाव प्राप्त हुआ। इस दौरान शहर के अलग-अलग राजनीतिक दलों और गणमान्य नागरिकों द्वारा इस आंदोलन में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने की बात रखी गई रेल विकास समिति द्वारा आगामी दिनों में इन सुझावों पर विस्तृत कार्यक्रम की रूपरेखा बनाकर जनमानस के बीच प्रसारित करने की बात पर बैठक के अंत में सहमति बनी, समिति के विस्तार करने का प्रस्ताव भी हुआ।

इस बैठक में समिति के घनश्याम सनोढ्डया दीपक मेहंदिरत्ता मुनियाँ टाँक ,नवेंदु मिश्रा , सुदर्शन गोल्हानी, नरेंद्र अग्रवाल ,मनीष केशरवानी हरीश जैन अंचल चौरसिया सत्यम सूर्यवंशी ,मुकेश चीकू से सेना राजा मुबिन ख़ान ,राजेश साहू मोनू पाराशर ,राज कश्यप जी किशोर सनोडिया नरेंद्र तिवारी ,कपिल परते चेतन गांधी नीरज जैन मनीष गोर ,राज़ेश विश्वकर्मा दीपक श्रीवास्तव ,ललित भोजराज मदने विशाल कश्यप ,जितेन्द्र मिश्रा सहित श्रीमति मनीषा चौहान व श्रीमती अन्नपूर्णा मालवी उपस्थित रहे।

2 महीने का सावन, 04 जुलाई से होगा शुरू और 31 अगस्त 2023 को होगा समाप्त

इस साल 58 दिनों का रहेगा सावन का महीना

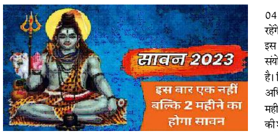

सिवनी यशोः-हिंदू धर्म में सावन के महीने का बहुत बड़ा महत्व है। इस मास में भगवान शिव की सबसे ज्यादा पूजा की जाती है। ऐसा माना जाता है कि सावन का महीना भगवान भोलेनाथ को सबसे प्रिय है। शिव पुराण के अनुसार शंकर भगवान सावन माह में सोमवार का व्रत करने वाले भतों की सारी मनोकामनाएं पूरी करते हैं। सावन के महीने का शिव भतों को हमेशा इंतजार रहता है, लेकिन इस बार का सावन बेहद खास रहने वाला है। दरअसल, इस बार सावन का महीना 02 महीने का होने वाला है। यह सावन 04 जुलाई 2023, मंगलवार से शुरू होगा और 31 अगस्त 2023, गुरुवार को समाप्त होगा। शास्त्रों में सावन के महीने को बहुत ही पवित्र महीना माना गया है। इस माह में भगवान शिव की पूजा और उनका अभिषेक करने से विशेष पुण्य प्राप्त होता है।

कुल आठ सावन सोमवार पड़ेंगे

अधिकमास के कारण साल 2023 के सावन में कुल 08 सावन के सोमवार रहेंगे। ये हैं सावन के सोमवार की तिथि 10 जुलाई, 17 जुलाई, 24 जुलाई, 31 जुलाई, 07 अगस्त, 14 अगस्त, 21 अगस्त, और 28 अगस्त हैं।

19 वर्षों के बाद बना ये दुर्लभ संयोग

इस बार सावन की शुरुआत 04 जुलाई से होने जा रही है। सावन 04 जुलाई से 31 अगस्त तक रहेंगे। यानी कि सावन का महीना इस बार 58 दिनों का रहेगा। यह संयोग लगभग 19 वर्षों के बाद बना है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस बार अधिकमास के कारण सावन 02 महीने का पड़ रहा है। अधिकमास की शुरुआत 18 जुलाई से होगी और 16 अगस्त को इसका समापन होगा। हिंदू कैलेंडर के अनुसार, इस बार साल 2023 में 12 महीने के बजाय 13 महीने का होगा। दरअसल, इस बार अधिकमास के चलते ऐसा होगा। अधिकमास को मलमास और पुरुषोम के नाम से भी जाना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार हर तीसरे साल एक अतिरिक्त माह प्रगट होता, जिसे अधिकमास, मलमास और पुरुषोम माह कहा जाता है। वैदिक कैलेंडर के अनुसार, हर माह सूर्य का राशि परिवर्तन होता है, जिसे सूर्य संक्रांति के नाम से जाना जाता है, लेकिन तीन साल के अंतराल पर एक माह संक्रांति नहीं है, तब इस माह को अधिकमास के नाम से जाना जाता है।

जिले में रेत खनन पर लगा प्रतिबंध, बढ़ सकते है दाम

सिवनी यशोः- मध्यप्रदेश खनिज विकास निगम भोपाल द्वारा रेत के खनन हेतु निविदाएं आमंत्रित की गई थी, जिला सिवनी समुह का ठेका बालाघाट की फर्म राजेश पाठक ग्रुप को मिला था,जहां ग्रुप को बरघाट, केवलारी व कुरई के अंतर्गत आने वाली 11 रेत खदानों से खनन व परिवहन के अधिकार दिए गए है। सरकार की खनन नीति के अनुसार हर वर्ष की इस वर्ष भी 30 जून से रेत के खनन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, विभागीय तौर पर भी इसके आदेश जारी हो चुके है, प्रतिबंध की अवधि आगामी 1 अे टूबर 2023 तक रहेगी, इस दौरान सभी 11 रेत खदानों से खनन पर पूर्णत प्रतिबंध रहेगा। इस वर्ष रेत का ठेका पिछले सत्र की अपेक्षा ज्यादा राशि देकर राजेश पाठक ग्रुप ने हासिल किया है, वर्तमान में रेत के सिवनी मु यायल में दाम पिछले वर्ष से ज्यादा है। अभी तक 6 चका डंपर में 280 मीटर रेत 17 हजार, 10 चका में 600 मीटर 27 हजार व 12 चका हाईवा में 36 हजार की दर से उपभोक्ता रेत खरीद रहे है पिछले वर्ष रेत खनन पर रोक लगते ही दामो में अचानक वृद्धि हुई थी, 6 चका 18 हजार, 10 चका 29 हजार व 12 चका डंपर में दाम 40 हजार तक पहुंच गए थे। आज से लगे प्रतिबंध के बाद एक बार पहले ही महंगाई की मार झेल रहे मकान व अन्य निर्माण कार्य करवाने वाले लोगों व ठेकेदारों को महंगी रेत खरीदनी पड़ेगी। दरअसल सरकार ने अपनी नीति में दामों पर नियंत्रण रखने के लिये कोई नियम नहीं बनाये है, ठेकेदार अपने हिसाब से दर तय कर रहे है। हालाकि खनिज विभाग प्रति मीटर के अनुसार रॉयल्टी वसूल करता है परंतु उस के आधार पर बाजार में रेत का विक्रय नहीं होता है। ये आज नहीं वर्षो की परंपरा है सरकार की नीति ही ऐसी है कि राजस्व देने वाले ठेकेदार को जमा की जाने वाली राशि के साथ कमाई का भी पूरा मौका दिया जाता है। प्रतिबंध लगने के बाद रेत के खनन पर नजर रखने के लिये विभाग ने अधीनस्थ अमले को कार्यवाही के निर्देश दे दिये है परंतु जिले में खनिज विकास निगम का कोई अधिकारी स्थायी तौर पर नियुक्त नहीं है वहीं खनिज विभाग के पास एक खनिज अधिकारी, दो निरीक्षक पदस्थ है ऐसे में जिले की 11 खदानों पर अवैध खनन कैसे रोका जायेगा यह बड़ी चुनौती विभाग व जिला प्रशासन के समक्ष है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देशी अंदाज में जनजातीय समुदाय के साथ कोदो भात-कुटकी खीर का लिया आनंद

प्रधानमंत्री का शहडोल के पकरिया में जनजातीय समुदाय, लखपति दीदियों और फुटबॉल के खिलाड़ियों से हुआ अद्भुत संवाद

भोपाल - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शहडोल जिले के पकरिया गाँव में जनजातीय वर्ग के हितग्राहियों, स्व-सहायता समूह की लखपति दीदियों, फुटबॉले लब के खिलाड़ियों, पेसा ऐ ट से लाभांवित हितग्राहियों से आत्मीयता भरे माहौल में मिले और संवाद किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जनजातीय समुदाय से बातचीत कर उनकी जीवन-शैली, कला, संस्कृति, खान-पान और रीति-रिवाज पर चर्चा की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देशी अंदाज में जनजातीय समुदाय के साथ बैठकर कोदो-भात कुटकी खीर को ग्रहण किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी संवाद कार्यक्रम में पहले तो खटिया पर बैठे फिर उठकर जनजातीय समुदाय के हितग्राहियों, लखपति दीदियों तथा फुटबॉल खिलाड़ियों के मध्य पहुँचे। उन्होंने फुटबॉल` लब के खिलाड़ी सदस्यों से पूछा कि वह गाँव कौन सा है, जिसे मिनी ब्राजील के रूप में जाना जाता है? प्रधानमंत्री के इस प्रश्न का उत्तर वहाँ मौजूद यशोदा सिंह ने दिया तथा बताया कि वह गाँव मेरा गाँव विचारपुर है। जहाँ हर घर के बच्चे फुटबॉल खेलते हैं। इस पर प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि यह प्रसन्नता की बात है कि भारत में किसी गाँव में फुटबॉल को लेकर ऐसी दीवानगी है। उन्होंने यह भी कहा कि इसका जिक्र मैं कभी मन की बात कार्यक्रम में अवश्य करूँगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पूछा कि अचानक शहडोल में फुटबॉल कैसे पॉपुलर हो गया तो खिलाड़ियों ने बताया कि पिछले 2 साल से शहडोल संभाग में फुटबॉल क्रांति अभियान शहडोल के संभागायुक्त ने प्रारंभ किया है, जिसके फलस्वरूप ऐसा माहौल बना हुआ है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पेसा ऐ ट लागू होने के बाद उससे लाभान्वित हुए हितग्राहियों से भी संवाद किया। श्री मोदी ने जनजाति समुदाय से पेसा ऐ ट के क्रियान्वयन से मिले लाभ की जानकारी भी प्राप्त की। प्रधानमंत्री ने हितग्राहियों से चर्चा के दौरान शांति एवं विवाद निवारण समिति, जल-संरक्षण समिति एवं प्राकृतिक खेती के संबंध में चर्चा की।

भीड़ ने ट्रक में बरसाए पत्थर ड्राइवर की मौत

आदेगाव थानक्षेत्रान्तर्गत ग्राम गोराबीबी में भीड़ द्वारा ट्रक पर पत्थर बरसाए गए जिसमे पत्थर लगने से ड्राइवर की ही मौत हो गयी

आदेगाव थानाप्रभारी ने बताया कि गद्दों से भरा ट्रक बैंगलोर से गुड़गांव जा रहा था तभी ट्रक से किसी जानवर की मृत्यु हो गयी जिससे उक्त ग्राम के लोग जानवर की मौत से आक्रोशित हो गए जिसके बाद उके द्वारा उक्त ट्रक का पीछा एकाएक पत्थर बरसाए गए पत्थर लगने की वजह से ड्राइवर अंकित को भी चोट लगी जिससे ट्रक डिवाइडर में घुस गया सूचना मिलते हि मौके पर पहुची पुलिस ने ड्राइवर अंकित को अस्पताल पहुचाया जहा डॉ टर ने उसे मृत घोषित कर दिया वही इस मामले में पुलिस द्वारा अज्ञात व्यक्तियों पर धारा 304 के तहत मामला दर्ज कर जांच में लिया गया है।

वही इस घटना को लेकर क्षेत्र में चर्चा चल रही है कि एक बकरी की मौत पर भीड़ ने एक इंसान की ही जान ले ली यह` या है।

कांग्रेस विधायक जीतू पटवारी सहित तीन को एक-एक साल का कारावास

भोपाल। राजगढ़ में कले ट्रेट का घेराव, पत्थरबाजी के मामले में राजधानी के विशेष एमपीएमएलए न्यायालय ने वर्ष 2018 से लंबित मामले की सुनवाई करते हुए कांग्रेस विधायक एवं पूर्व मंत्री जीतू पटवारी और उनके साथी सुरेन्द्र, कृष्णमोहन ,घनश्याम को एक-एक वर्ष के कारावास एवं 10 -10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। यह सजा विशेष न्यायाधीश विधान माहेश्वरी ने शनिवार को सुनाई। इसके अलावा अनुपस्थित होने पर 10 आरोपितों के विरुद्ध गिर तारी वारंट जारी किए गए हैं। इस मामले में तीन आरोपी पहले से फ़रार हैं। चारों को जुर्माना भरने के बाद जमानत मिल गई है।

यह है मामला

युवक कांग्रेस द्वारा किसानों व आमजन की समस्याओं को लेकर एक सितंबर 2009 को पूर्व मु यमंत्री दिग्विजय सिंह के नेतृत्व में राजगढ़ कले ट्रेट का घेराव किया था। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि किसानों को समय पर बिजली और खाद-बीज नहीं मिल रहे हैं। तात्कालीन राऊ विधायक एवं युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी भी इसमें शामिल थे। पुलिस ने कले ट्रेट की ओर बढ़ते हुए प्रदर्शनकारियों को रोकने का प्रयास किया। इसी बीच पुलिस व कार्यकर्ताओं के बीच झूमा-झटकी की नौबत भी बन गई थी। इस दौरान कुछ लोगों ने पथराव शुरू कर दिया। पथराव में दिग्विजय सिंह घायल हुए। वहीं कले ट्रेट गेट के कांच सहित कुछ शीशे भी टूटे। इस घटना के बाद राजगढ़ कोतवाली में राऊ विधायक जीतू पटवारी, पूर्व विधायक कृष्ण मोहन मालवीय, युवक कांग्रेस के अध्यक्ष रहे चंदरसिंह सौंधिया सहित 17 लोगों के विरुद्ध शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने, तोड़फोड़ करने सहित उपद्रव करने का प्रकरण दर्ज किया था।

इन धाराओं में हुई सजा और जुर्माना

न्यायालय ने भारतीय दंड विधान की धारा 147 में छह माह एवं एक हजार रुपये अर्थदंड, आइपीसी की धारा 332 में छह माह और सात हजार रुपये जुर्माना, सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण कानून की धारा तीन में एक वर्ष की सजा और 2000 रुपये का जुर्माना लगाया है। आरोपितों के विरुद्ध राजगढ़ के कले टर कार्यालय के मु य द्वार पर सहयुक्तिगण के साथ मिलकर विधि विरुद्ध जमाव कर सामान उद्देश्य के लिए पथराव किए जाने एवं पुलिस बल के साथ सहयोग न कर बलवा किए जाने, वाहनों में तोड़फोड़ सहित अन्य आरोप थे। सभी पर भारतीय दंड विधान की धारा-148, 294, 353, 332 या 332/149 323 या 323/149, 506 भाग दो, 336, 427 एवं धारा-3 प्रिवेंशन आफ डैमेज टू पब्लिक प्रापर्टी ऐ ट 1984 के तहत आरोप सिद्ध पाए गए हैं।

सड़को पर आवारा पशु हो रहे है हिसंक

सिवनी यशोः-जिला मु यालय के छिंदवाड़ा चौक से बाय पास रोड जाने वाले मार्ग पर सड़को में आवारा पशुओ का जमावड़ा दुर्घटनाओ को आमंत्रण दे रहा है। वर्षा आंरभ होते ही पशु पालक दुधारू जानवरो से सुबह केवल दूध निकालने का काम करते है,शाम व सुबह इन गोवशो को पालक सड़को पर छोड़ देते है जिससे आवागमन बाधित हो रहा है।

इसके अलावा जिले में लंपि वायरस का प्रकोप फैलने के बाद से ही नपा सिवनी ने पशू विभाग से मिले दिशा निर्देश के बाद गायों,बेलो व सांडो को पकड़कर कांजी हाउस व गौशाला छोड़ने का अभियान बंद कर रखा है। अभियान बंद रहने से पूरे पालिका छेत्रा में विशेषकर सांडो का आतंक मचा हुआ है,अब तो ये सांड मु य मार्गो पर वाहनों व पैदल चलने वाले नागरिको पर आक्रमण भी कर रहे है,रविवार को शनि मंदिर से वापस घर लौट रहे विधायक सिवनी प्रतिनिधि सतीश दुबे पर आवारा गाय ने हमला कर दिया ,किस्मत से सतीश को कोई चोट नही पर उनका वाहन जरूर छतिग्रस्त हो गया है।

या कहते है

लपि वायरस के कारण हाका गैंग से आवारा पशुओं को पकड़ने की मुहिम बंद थी, अब इन जानवरों को नगर की सीमा से बाहर करने का काम किया जाएगा।

के के कुर्वेति सी एम ओ
नपा सिवनी

बारिश का असर: टमाटर के दामों ने लगाई शतक, तो हरी सब्जियां भी नहीं छूटी पीछे

लगातार बारिश के कारण टमाटर और अन्य सब्जियों की कीमतों में उछाल देखने को मिल रहा है लोगों ने टमाटर खरीदना बंद कर दिए है

भोपाल। सप्ताह भर पहले तक 10-20 रुपए प्रतिकिलो चल रहे टमाटर के दामों ने अचानक सतक मार ली है। टमाटर के दाम प्रतिकिलो 80 से 100 के पार पहुंच गए हैं। स्थिति यह है कि राजधानी भोपाल में टमाटर लेने वालों की सं या बहुत कम हो गई है। महंगी हुई हरी सब्जियों के चलते गृहणियों के किचन का बजट भी गड़बड़ाने लगा है। साथ ही थाली से भी स्वाद कम होता जा रहा है।

कुछ दिनों के लिए छोड़ना होगा टमाटर

बता दें इन दिनों हरी सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं। हरी सब्जियों के महंगे होने की वजह से लोगों की थाली से हरी सब्जियां ही गायब हो गई है। हरी सब्जियों में सबसे ज्यादा महंगाई की मार टमाटर पर आ गई है। टमाटर प्रतिकिलो 100 रुपए से 120 रुपए तक जा पहुंचा है। वहीं अन्य सब्जियों के दामों में भी काफी इजाफा हुआ है। टमाटर के दामों को लेकर एक खरीददार का कहना है कि ÷टमाटर के दाम आसमान छू रहे हैं कि हमने टमाटर लिए ही नहीं है। हमें टमाटर को कुछ दिन के लिए छोड़ना पड़ेगा। आम आदमी 100-120 रुपए किलो टमाटर नहीं ले सकता।÷

हरी सब्जियों के दाम

टमाटर ही नहीं बल्कि सभी हरी सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं। जहां टमाटर 100 से 120 रुपए प्रतिकिलो बिक रहा है तो वहीं फूल गोभी 60 से 80, लौकी 40 से 50, गिलकी 40 से 60, भिंडी 40 से 60, शिमला मिर्ची 60 से 80, बैगन गोल 30 से 40, अरबी 40 से 60, कद्दू 30 से 40, करेला 40 से 60 और बरबटी भी 40 से 60 रुपए प्रतिकिलो के भाव से बिक रही है।

मप्र में सबसे महंगा टमाटर

बता दें टमाटर के बढ़े हुए दाम की बात करें तो छह राज्यों में सबसे महंगा टमाटर मध्यप्रदेश में ही बिक रहा है। मध्यप्रदेश में टमाटर 100 रुपए के पार चल रहा है, जबकि राजस्थान में 80 से 100 रुपए किलो, छत्तीसगढ़ में 80 से 90, महाराष्ट्र में 60 से 90, कर्नाटर में 70 से 90 और बिहार में भी 60 से 80 रुपए प्रतिकिलो के भाव बिक रहा है।

महीने भर पहले फेंक रहे किसान

महीने भर पहले टमाटर के भाव की स्थिति यह थी कि अच्छे भाव नहीं मिल पाने की वजह से किसान टमाटर को सडक़ किनारे फेंक रहे थे। जबकि अब मप्र में किसानों के पास टमाटर खत्म हो गए तो ऐसे में टमाटर में दामों में अचानक से उछाल आ गया है। जिन किसानों के पास टमाटर की फसल है उन्हें काफी फायदा हो रहा है।

भोपाल में 21 लाख की लूट वारदात का क्राइम ब्रांच ने किया खुलासा

भोपाल । राजधानी में लूट की सनसनीखेज वारदात का क्राइम ब्रांच ने खुलासा किया है। एक व्यापारी को मदुरई से बुलाकर उसका अपहरण कर उसके साथ 21 लाख की लूट की गई थी। जिसमें क्राइम ब्रांच ने 3 आरोपियों को गिर तार कर लिया है। हालांकि इस मामले के मास्टरमाइंड की तलाश अब भी जारी है।

21 लाख रुपए की हुई लूट

व्यापारी का अपहरण किया गया दिनभर उसे भोपाल और आसपास के क्षेत्रों में घुमाया गया और फिर एक कमरे में बंद कर उसके साथ मारपीट की गई और कट्टा अड़ा कर उससे 21 लाख की लूट की गई। यह वारदात राजधानी भोपाल में घटित हुई।

आरोपियों ने व्यापारी को मदुरई से एक मैटेरियल सप्लाई के बहाने भोपाल बुलवाया। इसके बाद उसे एक कार में बिठाया गया। और उसके साथ मारपीट की फिर विदिशा ले जाकर एक कमरे में बंद कर दिया। इसके बाद कट्टा अड़ा कर उससे 21 लाख लूट की गई।

तीन आरोपी गिर तार

इस घटना में पुलिस ने 4 टीमें गठित की और मामले में 3 आरोपियों को गिर तार किया है। मामले का मु य आरोपी का नाम आशिक बताया जा रहा है। जो अभी भी फरार है। पुलिस ने इस मामले में जिन आरोपियों को गिर तार किया है। उसमें से दो आरोपी भोपाल के ईटखेड़ी के रहने वाले हैं। तो वहीं एक आरोपी वो है। जिसके मकान में व्यापारी को बंधक बनाकर रखा गया था।

मु य आरोपी की तलाश जारी

इस वारदात का खुलासा पुलिस ने कर दिया है। लेकिन अभी भी लूट की रकम बरामद करना बाकी है। वहीं व्यापारी से फोन पर जो आरोपी बात करता था उसकी पहचान भी अब तक नहीं हो पाई है। मु य आरोपी आशिक की गिर तारी के बाद ही इस मामले की और परते खुल पाएंगी।

दो चोरियों का खुलासा, मोटर साइकिल एवं मोबाइल चोर गिरफ्तार

मण्डला पुलिस
ऑपरेशन क्लीन स्वीप
75876 44166

मंडला। पुलिस थाना कोतवाली में फरियादी ने रिपोर्ट किया था कि मैं नगर पालिका मंडला में समय पाल के पद पर पदस्थ हूं दिनांक 13 अप्रैल 2023 को शाम करीब 6:30 बजे रपटा घाट में दुर्गा जी के मंदिर में पूजा पाठ करने के बाद जिस जगह पर लाल रंग की मोटरसाइकिल खड़ी की थी वहां पर मेरी मोटरसाइकिल आर 15 मौके पर नहीं थी कोई अज्ञात चोर चोरी करके ले गया है रिपोर्ट पर पुलिस थाना कोतवाली में अपराध 259/2023 धारा 379 आईपीसी कायम किया जाकर तलाश की जा रही थी.

इसी प्रकार दिनांक 30 जून को फरियादी ने पुलिस थाना कोतवाली आकर रिपोर्ट किया कि मैं दोपहर घर से वीवो 21 सीरीज कंपनी का मोबाइल कीमती करीब 18000 सिम लगी सामने वाले कमरे में चार्ज में लगा था कोई अज्ञात चोर द्वारा मोबाइल चोरी करके ले गया की रिपोर्ट पर पुलिस थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 440/2023 धारा 454, 380 भादवि का कायम कर आरोपी की तलाश प्रारंभ की गई विवेचना के दौरान घटनास्थल के आसपास के लोगों से पूछताछ करने पर घटनास्थल के आसपास क्षेत्र में क्षत्रराज धुर्वे नाम के व्यक्ति को देखा गया था जिसको घेराबंदी करके मुखबिर सूचना के आधार पर पकड़कर पूछताछ करने पर अपना नाम क्षत्रराज धुर्वे उम्र 22 साल पिता स्वर्गीय नागेश निवासी गऊघाट देवदरा मंडला होना और उक्त दोनों वारदातों को करना स्वीकार किया गया एवं आरोपी से घटना में चोरी गया माल बरामद किया गया। आरोपी को दोनों मामलों में गिरफ्तार किया जाकर माननीय न्यायालय पेश किया जा रहा है। उल्लेखनीय कार्य उक्त कार्यवाही एसडीओपी मंडला अश्विनी कुमार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली उपनिरीक्षक जसवंत सिंह राजपूत, भुवनेश्वर बामनकर, गुलजार सिंह मार्को, प्रधान आरक्षक रविंद्र, आरक्षक दीपांशु जांघेला अमित गरयार, मानसिंह, रज्जन, संतराम सुंदर जफर नंदकिशोर आशीष, केशव सुरेंद्र, अंकित, राजकुमार एवं साइबर सेल सुरेश भटेरे, सूर्य चंद्र बघेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भ्रष्टाचार का गढ़ बना मोहगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

मोहगांव यशोः- आदिवासी बाहुल्य जिला मंडला के जनपद पंचायत मोहगांव के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहगांव पूरी तरह भ्रष्टाचार का केंद्र बन गया है देखिए किस तरह अपनाए जा रहे हैं भ्रष्टाचार के नए-नए हथकंडे स्वास्थ्य केंद्र आने वाले मरीजों को इलाज पाने के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है डॉक्टर व कर्मचारी ड्यूटी से नदारद रहते हैं स्वास्थ्य केंद्र में लापरवाही की जांच की मांग लगातार अधिकारियों के समक्ष उठती रही है लेकिन अधिकारी भी मरीजों का उत्पीड़न देख रहे हैं और इसके चलते इस बार स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद कर्मचारियों ने हद ही कर दी ताजा मामला आशा कार्यकर्ता को विभिन्न मंदो मैं प्रदान की जाने वाली प्रोत्साहन राशि गबन का है बता दें कि आशा पोर्टल पर विकासखंड मोहगांव में आशा के भुगतान में विसंगति पाई गई जब जांच की गई तो पोर्टल में फर्जी रजिस्टर्ड आशा कार्यकर्ता का पता चला साथ ही इनके खातों में कई बार राशि ट्रांसफर भी हुई जिसके बाद मोहगांव बीएमओ ने बीएएम रानू कु हरे और बीपीएम अनामिका दुबे की संलिप्तता पाते हुए उक्त दोनों संविदा कर्मियों सहित फर्जी आशा कार्यकर्ता समीक्षा दुबे व विद्या कु हरे के विरूद्ध मामला दर्ज कराया गया आरोपियों से गबन की गई राशिको आरोपी अकाउंट मैनेजर बीएएम रानू कु हरे व प्रोग्राम मैनेजर बीपीएम अनामिका दुबे को नोटिस जारी कर गबन की राशि करीब 27.68 लाख रुपए राज्य स्वास्थ समिति के खाते में जमा कराई गई साथ ही मामले में संलिप्त संविदा कर्मियों की सेवा समाप्त करते हुए मोहगांव थाने में उक्त चारों आरोपियों के विरुद्ध धारा 410, 409, 120 बी के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया है बता दें कि भ्रष्टाचार का गढ़ बना मोहगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 2019 से लगातार गड़बड़ी की जा रही थी और जिम्मेदार अधिकारी सोते रहे या कहें इस फर्जीवाड़े में संलिप्त रहे और जब गबन का मामला सामने आया तो छोटे कर्मचारियों पर कार्यवाही कर अपनी पीठ थपथपाने का काम कर रहे हैं अगर पूरी गंभीरता से जांच होगी तो और भी घोटालों के साथ कई बड़ी मछलियां भी जांच की जद में आएगी

विनय मिश्रा ने ली स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति

मंडला यशोः- सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मण्डला में वरिष्ठाचार्य विनय मिश्रा ने 37 वर्षो की अनवरत सेवा के पश्चात सेवा निवृत्ति ली, वहीं इसी विद्यालय में 25 वर्षो की सेवा देना के पश्चात श्रीमति अनीता द्विवेदी सेवानिवृत्त हुई। पुलिस बैण्ड की आर्कषक स्वर लहरियों ने देशभक्ति एवं विदाई गीतों से सभी को भाव-विभोर कर दिया। माँ दुर्गा एवं सरस्वती के पूजन-अर्चन के साथ अपने परिजनों, मित्रों, शुभचिंतकों, विद्यालय समिति के सदस्यों व आचार्य परिवार की उपस्थिति में स्नेह मिलन एवं विदाई समारोह सम्पन्न हुआ। निवर्तमान द्वय के त्याग व तपोमय कार्यो का स्मरण कर सभी की आँखें द्रवित हुई। उपस्थित अतिथियों में विधायक श्री देवसिंह सैयाम ने अपने उदबोधन में कहा कि श्री विनय मिश्रा जी ने विद्यालय के साथ-साथ पार्टी के संगठनात्मक कार्यो में अपना पूर्ण योगदान दिया। नगरपालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछ्वाहा ने कहा कि श्री विनय मिश्रा जी ने कंधा से कंधा मिलाकर हम सभी के साथ सामाजिक सरोकार के कार्यो में भरपूर सहयोग प्रदान किया। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष भीष्म द्विवेदी, विभाग समन्वयक रामबहोरी पटैल, जिला सचिव राजीव वर्मा, राजेश ज्योतिषी व्यवस्थापक, प्रफुल्ल मिश्रा कोषाध्यक्ष, अमित प्रांत संगठन मंत्री, राजेश जैन,रोचीराम गुरवानी, जयदत्त झा, प्रवीर तिवारी,श्रीमति रेखा चौरसिया, योगेश श्रीवास्तव, संजय मिश्रा, पूरन सिंह ठाकुर, पूर्व आचार्य व दीदियो सभी ने आप दोनो के स्वस्थ्य व दीर्घायु जीवन के लिए शुभकामनाये दी। विनय मिश्रा जी ने अपने उदबोधन मे कहा कि विद्या भारती के अंतर्गत संचालित सरस्वती शिशु मंदिर अंग्रेजी माध्यम ना होने के बाबजूद भी यहा के छात्र-छात्राओ ने प्रदेश एवं देश स्तर पर अपनी अलग पहचान बनायी है एवं हर क्षेत्र मे कार्य करते हुए देश के सर्वांगीण विकास मे अपना योगदान दे रहे हैं। इस अवसर पर समिति व विद्यालय की ओर से अभिनंदन पत्र का वाचन व भेंट देकर विनय मिश्रा एवं अनिता को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन तारेंद्र पांडे व प्रदीप त्रिवेदी ने किया। अंत मे आभार ज्ञापन संस्था के प्राचार्य कमलेश अग्रहरि ने किया।

4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत

मंडला यशोः- प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक रूपेन्द्र उर्फ रूपलाल मरावी ग्राम बेरपानी निवासी की सर्पदंश से मृत्यु होने के कारण अनुविभागीय अधिकारी राजस्व निवास द्वारा मृतक के निकटतम वारसान को कुल 4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। मृतक के निकटतम वारसान आवेदक चंदाबाई मरावी को कुल 4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। यह राशि संबंधित के बैंक खाते में जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं।

एसपी ने नक्सल प्रभावित गांवों का किया भ्रमण

कार्यशाला का आयोजन कर पेसा एक्ट के संबंध में दी जानकारी एवं आमजन की समस्याओं से हुए रूबरू'

चुनाव के मद्देनजर मंडला जिले के सीमावर्ती गावों के पोलींग बुथों का किया निरीक्षण

मंडला यशोः- एसपी मंडला द्वारा 01 जुलाई को जिले के नक्सल थाना क्षेत्र मोतीनाला अंतर्गत गांवों एवं बूथों का भ्रमण किया गया। पेसा ऐक्ट के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करने हेतु कार्यशाला का आयोजन हुआ। मंडला पुलिस द्वारा प्रत्येक थाना क्षेत्र में पेसा ऐक्ट के प्रति आमजन को जागरूक करने हेतु लगातार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी के तहत एसपी मंडला द्वारा थाना मोतीनाला क्षेत्र भ्रमण के दौरान जिला मंडला के दूरस्थ स्थित मोतीनाला अंतर्गत गांव भीमडोंगरी एवं मंगली में पेसा ऐक्ट के प्रति आमजनों को जागरूक करने हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में पुलिस अधीक्षक द्वारा गावों में गठित शांति समितियों एवं विवाद निवारण समिति के अध्यक्षों, सदस्यों एवं ग्रामीणों को उनके अधिकारों एवं पेसा ऐक्ट के अंतर्गत मिले विशेषाधिकारों के संबंध में जानकारी दी। उनके द्वारा बताया गया की कैसे मामुली विवादों का गांव में ही निराकरण समितियों के माध्यम से कर सकते है आदि अनेक विषयों पर चर्चा कर जानकारी साझा की गई।

आमजनों की समस्या से रूबरू हुए एसपी

आयोजन के दौरान एसपी ने उपस्थित ग्रामीणजनों से पेसा ऐक्ट को समझने में आने वाली दिक्कतों एवं सामान्य समस्याओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा समस्यों के निराकरण का आश्वासन भी दिया गया। मंडला पुलिस द्वारा पेसा ऐक्ट के प्रति लोगों को जागरूक करने एवं गावों में प्रत्येक व्यक्ति तक पेसा के अंतर्गत मिले विशेषाधिकारों के संबंध में जानकारी हो सुनिश्चित करने के लिए निरंतर इस प्रकार की कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। आमजन को कार्यशाला में राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन अभियान एवं आयुष्मान कार्ड के संबंध में भी बताया गया।

पोलिंग बूथों का भ्रमण

आगामी चुनाव के मद्देनजर एसपी द्वारा थाना मोतीनाला एवं मवई क्षेत्र अंतर्गत आने वाले गांव के पोलिंग बूथों का भ्रमण कर विस्तृत निरीक्षण किया गया। पोलिंग बूथ के निरीक्षण के दौरान पोलिंग बूथ की व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

स्कूली बच्चों से की मूलाकात

भ्रमण के दौरान एसपी ने स्कूल पहूंच स्कूली छात्र छात्राओं से भी मुलाकात की तथा बतौर करियर गाइडेंस किस तरह एक लक्ष्य के साथ आगे बढ़ सकते के संबंध में बताया गया। मोबाईल की लत से दूर रहकर खेलकुद को अपने जीवन में शामिल करते हुए पढाई पर ध्यान केंद्रित कर आप हो सकते है सफल।

गुरू पूर्णिमा में खड़देवरा आश्रम में होगा भण्डारा

मंडला यशोः- 3 जुलाई को गुरूपूर्णिमा के अवसर पर सच्चिदानंद धाम खड़देवरा में अखण्ड मानस पाठ एवं व्यास पूजन हवन भंडारा का आयोजन किया जाएगा। कथा वाचक पं. संतोष शास्त्री पदमी वाले ने बताया कि नर्मदा तट में परिक्रमावासियों के रूकने भोजन प्रसादी के लिए आश्रम का निर्माण कराया गया है। जहां 2 जुलाई को अखण्ड मानस पाठ और 3 जुलाई को व्यास पूजन, हवन भण्डारा का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से पहुंचकर धर्मलाभ लेने की अपील की गई है।

4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत

मंडला यशोः-जानकारी के अनुसार मृतक रूपेन्द्र उर्फरूपलाल मरावी ग्राम बेरपानी निवासी की सर्पदंश से मृत्यु होने के कारण अनुविभागीय अधिकारी राजस्व निवास द्वारा मृतक के निकटतम वारसान को कुल 4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। मृतक के निकटतम वारसान आवेदक चंदाबाई मरावी को कुल 4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। यह राशि संबंधित के बैंक खाते में जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं।

नैनपुर और चिरईडोंगरी की बीज दुकानों पर कार्यवाही

emami
डबल बुल
सीमेंट

मंडला यशोः- उपसंचालक मधु अली एवं सहायक संचालक आर.डी. जाटव ने किया नैनपुर और चिरईडोंगरी के निजी खाद, बीज विक्रेताओं एवं मार्कफेड गोदाम का औचक निरीक्षण। औचक निरीक्षण के दौरान बिना देयक के बीज बेचने पर दो विक्रेताओं पर की गई प्रतिबंधात्मक कार्यवाही। चौरसिया कृषि केंद्र चिरईडोंगरी और शानू ट्रेडर्स नैनपुर द्वारा बीज अधिनियम की धाराओं का उल्लंघन किए जाने पर दुकानों को सील किया गया और आगामी आदेश तक बीज विक्रय करने हेतु प्रतिबंधित किया गया। साथ ही अन्य एक विक्रेता को नोटिस जारी किया गया।

जिला स्तरीय एवं विकासखंड स्तरीय निरीक्षण दल गठित

उपसंचालक कृषि द्वारा जिला स्तरीय एवं विकासखंड स्तरीय निरीक्षण दल का गठन किया गया है। जिला स्तरीय निरीक्षण दल में प्रभारी आर.डी. जाटव सहायक संचालक, उप प्रभारी देवेन्द्र बारस्कर सहायक संचालक और मुकेश कुलस्ते वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी को सहायक के रूप में नियुक्त किया गया है। सभी विकासखंड में गुण नियंत्रण इंस्पेक्टर भी नियुक्त हैं जो समय-समय पर सभी विक्रय केंद्रों का निरीक्षण कर अनियमितता पाए जाने पर कार्यवाही प्रस्तावित करेंगे।

एसडीएम को निरीक्षण के निर्देश

कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने समस्त एसडीएम को निर्देशित किया कि वे तहसीलदार एवं कृषि विभाग के साथ संयुक्त रूप से खाद और बीज विक्रय केंद्रों की निगरानी करें। वे निर्धारित दर पर किसानों को खाद, बीज उपलब्धता सुनिश्चित कराएं।

कलेक्टर ने की सीएम हेल्पलाईन प्रकरणों की समीक्षा

मंडला यशोः- कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने सभी विभागों के जनू माह के लंबित सीएम हेल्पलाईन प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों का समय-सीमा में समुचित निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि लाड़ली बहना योजना से संबंधित शिकायतों को गंभीरता से लें तथा उनके निराकरण के लिए सकारात्मक पहल करें। सीएम हेल्पलाईन पोर्टल पर तथ्यात्मक जवाब अंकित करें। शिकायतों के निराकरण में राज्य के औसत से बेहतर रहने का प्रयास करें। उन्होंने बी, सी तथा डी ग्रेड में आने वाले विभागों को अपना प्रदर्शन सुधारने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि 50 दिवस के अधिक के प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकृत करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ रानी बाटड, अपर कलेक्टर मीना मसराम सहित संबंधित उपस्थित थे।

विकासखंड मोहगाँव में पदस्थ अनामिका दुबे एवं रानु कु हरे की सेवा तत्काल प्रभाव से समाप्त

कलेक्टर ने जारी किया आदेश

मंडला यशोः- आशा प्रोत्साहन राशि गबन के मामले में कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मोहगाँव में पदस्थ अनामिका दुबे विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक (वि.खं. कम्यूनिटी मोबीलाईजर का अतिरिक्त प्रभार) तथा रानू कु हरे विकासखंड लेखा प्रबंधक की संविदा सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी हैं।

सर्पदंश के बचाव, इलाज एवं भ्रांतियाँ

मंडला यशोः- मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा एडवाइजरी जारी की गई है जिसमें कहा गया है कि बरसात के दिनो में सर्प के काटने के अत्यधिक केस सामने आते हैं। सर्प के काटने से व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है। आमजन सर्पदंश को अनदेखा ना करें। पीड़ित को किसी नजदीकी अस्पताल में तुरंत लेकर जाएं। झाड़-फूक में ना रहें। सांप के दांत के नीचे विष की थैली होती है। सर्प काटने पर विष सीधे शरीर में खून के माध्यम से फैल जाता है। सामान्यतः जहरीले सापों के काटने पर दांतों के दो निशान अलग ही दिखाई देते हैं। गैर विषैले सांप के काटने पर दो से ज्यादा निशान हो सकते हैं। परंतु ये दिखाई नही देते हैं। ये सोचना गलत होगा कि सांप ने नहीं काटा। ज्यादातर सांप गैर विषैले भी होते हैं।

लक्षण: सांप के काटने पर लगभग 95 प्रतिशत मामलों में पहला लक्षण नींद का आना, इसके साथ ही निगलने या सांस लेने में तकलीफ होना। आमतौर पर सर्पदंश पर आधे घंटे बाद लक्षण दिखाई देने लगते हैं।

यह ना करें: रस्सी से ना बांधे, ब्लेड से ना काटें। पारंपरिक तरीकों का इस्तेमाल न करें। मुँह से खून ना चूसें। ओझा-गुनिया के पास ना जायें। अंधविश्वास में ना पड़ें।

यथा संभव निम्नानुसार कार्य करें: सांप के काटे व्यक्ति को दिलासा दिलायें। घटना के तथ्यों का पता लगायें। गीले कपड़े से डंक के जगह की चमड़ी को साफ करें जिससे वहाँ पर लगा विष निकल जाये। सांप काटे व्यक्ति को करवट सुलायें क्योंकि कई बार उल्टी भी होने लगती है, करवट सुलाने से उल्टी श्वसन तंत्र में ना जाये। जहाँ पर सांप ने काटा है उस स्थान पर कपड़े से हल्का सा बाँध देवें ताकि हिलना-डुलना बंद हो जाये।

उपचार: सांप काटे व्यक्ति को तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाने की व्यवस्था बनायें। सर्प के काटने के जहर को मारने के लिए अस्पताल मेंएंटी स्नेक इंजेक्शन निःशुल्क लगाया जाता है, जो अस्पताल में उपलब्ध है। डॉक्टर की सलाह अनुसार उचित उपचार कराएं।

बचाव: अंधेरे में ना जाएं। गड्ढों या बिलों में हाँथ ना डालें। झाड़ियों में ना जायें। पानी भरे गड्ढों में ना जायें तथा पैरों में चप्पल-जूते पहनकर चलें।

राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन अभियान एवं आयुष्मान कार्ड वितरण कार्यक्रम संपन्न

राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन अभियान
1 करोड़ आयुष्मान कार्ड के वितरण

मंडला यशोः-राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन अभियान एवं आयुष्मान कार्ड के वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने कहा कि सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन के लिए शासन द्वारा कारगर कदम उठाए जा रहे हैं। इस वृहद लक्ष्य की पूर्ति के लिए सम्मिलित प्रयासों की आवश्यकता है। सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन के लिए जनजागरूकता महत्वपूर्ण है। उन्होंने सिकलसेल एनीमिया के लक्षण, स्क्रीनिंग एवं उपचार के संबंध में भी जानकारी दी। डॉ. सिडाना ने कहा कि सिकल सेल के रोगी अपना आयुष्मान कार्ड संभालकर रखें। दवाइयां समय पर लें तथा पेयजल की स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान दें। नगरपालिका सभाकक्ष में आयोजित इस कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, उपाध्यक्ष अखिलेश कछ्वाहा, जिला पंचायत सदस्य शैलेष मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ रानी बाटड, पार्षदगण सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे। जिला स्तरीय कार्यक्रम में राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन अभियान एवं एक करोड़ आयुष्मान कार्ड के वितरण के लिए शहडोल में आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा व सुना गया।

इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा ने कहा कि सिकलसेल एनीमिया के रोगी चिन्हित अस्पतालों में जाकर अपना इलाज कराएं। उन्होंने आमजनों से आग्रह किया है कि जिले में डेंगू जैसी गंभीर बीमारियों को रोकने के लिए कूलर, कबाड़, गड्ढें, गमले, टायरों एवं घरों के आसपास गड्ढों में पानी इकट्ठा ना होने दें। जिला पंचायत सदस्य शैलेष मिश्रा ने अपने संबोधन में केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा सिकलसेल एनीमिया के उन्मूलन के लिए चलाये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों एवं नीतिगत प्रावधानों तथा आयुष्मान कार्ड से मिलने वाले लाभों के संबंध में जानकारी दी। सिकलसेल के इलाज के लिए चलाए जाने वाले कार्यक्रमों से लाभान्वित व्यक्तियों तथा आयुष्मान कार्ड के हितग्राहियों ने कार्यक्रम में अपना अनुभव साझा करते हुए सरकार के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। आयुष्मान पंजीयन में उत्कृष्ट कार्य करनेवालों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आयुष्मान एवं सिकल सेल के हितग्राहियों को हितलाभ वितरण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन अखिलेश उपाध्याय द्वारा किया गया।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक मुद्रक राजेश अग्रवाल द्वारा,नवीन प्रिंटर्स बींझावाड़ा रोड अकबर वार्ड सिवनी से मुद्रित एवं काली चौक टैगौर वार्ड सिवनी से प्रकाशित संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी ईमेल-yasonati@gmail.com न्यायालीन क्षेत्र अधिकार सिवनी , 9425843297